डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22
R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746
मीडिया दृष्टिकोण
वर्ष : 10 > अंक : 06 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

साप्ताहिक समाचार पत्र
जयपुर, शुक्रवार, 28 जुलाई 2023
website: www.hsnews.in

ईमानदारी और समर्पण में स्वाभिमान का अंश ही व्यक्तित्व को विशाल बनाता है।
-शालिनी श्रीवास्तव

देश की तीसरे नम्बर की मीडिया का पत्रकार बनाम भाजपा नेता काजू गेरा पर धोखाधड़ी जालसाजी को लेकर FIR दर्ज

छबड़ा भाजपा का नगर अध्यक्ष व पत्रकार चंद्रप्रकाश गेरा उर्फ काजू गेरा ने 65 लोगों के साथ ज़मीन बेचान को लेकर की धोखाधड़ी व जालसाजी, मामला बना है धारा 420 व 406 का

थाना छबड़ा में डेढ़ माह की जद्दोजहद के बाद पीड़ित पक्ष की हुई सुनवाई

राजनैतिक आड़ में अनैतिक कार्य और मीडियामेन के रूप में माफ़ियागिरी का होता नंगा नाच ? आख़िर चंद्रप्रकाश गेरा को किसका है आशीर्वाद प्राप्त?

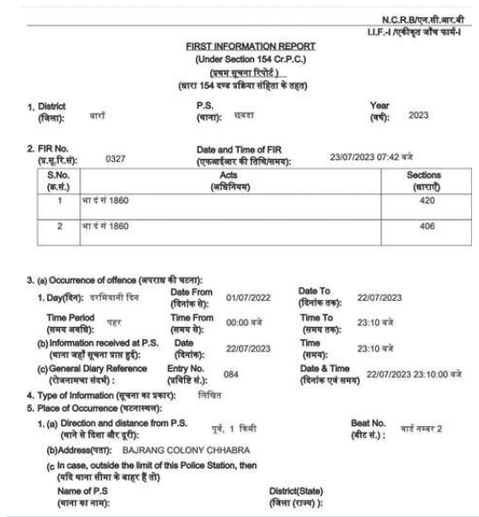

N.C.R.B/एन.सी.आर.बी
I.I.F.-I /एकीकृत जाँच फार्म-I

FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 154 Cr.P.C.)
(प्रथम सूचना रिपोर्ट)
(धारा 154 दण्ड प्रक्रिया संहिता के तहत)

1. District (जिला): बारां P.S. (थाना): छबड़ा Year (वर्ष): 2023
2. FIR No. (प्र.सू.रि.सं): 0327 Date and Time of FIR (एफआईआर की तिथि/समय): 23/07/2023 07:42 बजे

S.No. (क्र.सं.)	Acts (अधिनियम)	Sections (धाराएँ)
1	भा दं सं 1860	420
2	भा दं सं 1860	406

3. (a) Occurrence of offence (अपराध की घटना):
1. Day(दिन): दरमियानी दिन Date From (दिनांक से): 01/07/2022 Date To (दिनांक तक): 22/07/2023
Time Period (समय अवधि): पहर Time From (समय से): 00:00 बजे Time To (समय तक): 23:10 बजे
(b) Information received at P.S. (थाना जहाँ सूचना प्राप्त हुई): Date (दिनांक): 22/07/2023 Time (समय): 23:10 बजे
(c) General Diary Reference (रोजनामचा संदर्भ) : Entry No. (प्रविष्टि सं.): 084 Date & Time (दिनांक एवं समय): 22/07/2023 23:10:00 बजे
4. Type of Information (सूचना का प्रकार): लिखित
5. Place of Occurrence (घटनास्थल):
1. (a) Direction and distance from P.S. (थाने से दिशा और दूरी): पूर्व, 1 किमी Beat No. (बीट सं.) : वार्ड नम्बर 2
(b)Address(पता): BAJRANG COLONY CHHABRA
(c In case, outside the limit of this Police Station, then (यदि थाना सीमा के बाहर हैं तो)
Name of P.S (थाना का नाम): District(State) (जिला (राज्य)):

हरिओम कुमावत द्वारा गेरा के ख़िलाफ़ दर्ज की गई FIR

चंद्रप्रकाश गेरा उर्फ काजू गेरा, भाजपा नगराध्यक्ष व पत्रकार जिसके ख़िलाफ़ धारा 420 व 406 के तहत FIR दर्ज की गई है

बजरंगनगर कॉलोनी के कॉलोनाइजर, राजस्थान पत्रिका के संवाददाता, भाजपा नेता काजू गेरा द्वारा हम सभी 65 क्रेताओं के साथ धोखाधड़ी की गई है। हमें प्रशासन से न्याय मिलना चाहिए। मेरी बड़ी मुश्किल से FIR दर्ज हई है मैं अपना हक़ लेकर रहूँगा।
हरिओम कुमावत प्लॉट न.3,4,5 के क्रेता व FIR दर्ज करवाने वाला पीड़ित

शालिनी श्रीवास्तव
बाराँ (हिलव्यू समाचार)। छीपाबड़ौद रोड पर भूमि खसरा नंबर 319 रकबा 7 बीघा 4 बिस्वा भूमि में एक तिहाई पर ही रजिस्टर्ड विक्रय पत्र का अधिकार रखने वाले काजू गेरा ने अपने रसूख के माध्यम से 2008 में 65 लोगों को बनाया अपनी धोखाधड़ी का शिकार और जिसका ख़ुलासा हुआ 2023 में जब क्रेता बनाने पहुँचे वहाँ मकान।

चंद्र प्रकाश गेरा द्वारा निर्मित कॉलोनी का नाम बजरंग नगर कॉलोनी है। जिसमें लगभग 65 लोगों ने अपनी जमापूँजी को सुरक्षित करने या बच्चों को शहर में पढ़ाने के मक़सद से घर बनाने के लिए प्लॉट खरीदे लेकिन भूखंड क्रेताओं के साथ धोखाधड़ी हो गई जब वो पैसों की गुंजाइश होने पर मकान बनाने मौक़े पर पहुँचे तो वहाँ पहले जिन्होंने घर बना लिए उनका रास्ता बंद होने का मामला सामने आया फिर इन क्रेताओं को ज्ञात हुआ कि 25x40 व 25x50 के सभी प्लॉट्स 20-20 फिट कम हैं। इस संबंध में कॉलोनाइजर क्रेता चंद्रप्रकाश गेरा उर्फ काजू गेरा के पास पैमाईश की बात लेकर पहुँचे लेकिन धोखेबाज और अभिमानी कॉलोनाइजर गेरा ने देश की तीसरी बड़ी मीडिया व राजनैतिक दबदबे की धमकियाँ देकर पीड़ित क्रेताओं को भगा दिया।

65 लोगों में से कुछ लोगों ने छबड़ा थाने में परिवाद दिया लेकिन डेढ़ माह तक केवल चक्कर काटते रहे पीड़ित पक्ष के लोगों की कोई सुनवाई नहीं हुई थाना छबड़ा में। आख़िर डीवाईएसपी छबड़ा के दख़ल के बाद हरिओम कुमावत पुत्र मदन लाल कुमावत निवासी प्रताप नगर प्रथम छबड़ा की प्रथम FIR नंबर 327 दिनाँक 22 जुलाई 2023 को दर्ज हुई।

जिसमें प्रार्थी हरिओम कुमावत ने बताया कि उसने 3 प्लॉट अपनी मां नटी बाई के नाम से 2008 में खरीदे थे। जिनके प्लॉट संख्या 3,4 एवं 5 है। जिसकी संपूर्ण राशि अदा करने पर तीनों प्लॉट की नोटरी रिपोर्ट की फाइल काजू गेरा ने इन्हें दे दी थी।उस समय खरीदने के दौरान जमीन खाली थी लेकिन वर्तमान में जब वह यानी हरिओम निर्माण करवाने के मक़सद से मौक़े पर पहुंचा तो सभी भूखण्ड की साइज कम निकली अन्य लोगों से भी चर्चा करने पर ज्ञात हुआ कि सभी के साथ यहाँ पर धोखाधड़ी हुई है। अब चंद्रप्रकाश गेरा उर्फ काजू गेरा कोई भी सुनवाई नहीं कर रहा। कॉलोनाइजर चंद्रप्रकाश गेरा के पास जितनी जमीन थी उससे ज्यादा प्लॉट उसने काट दिए। इस वजह से सभी बेचान किए हुए कर्ताओं के पास जमीन कम पड़ रही है और काजू गेरा सभी की पूंजी हड़प कर अब कोई सुनवाई करने को तैयार नहीं। शासन-प्रशासन में जो काजू गेरा की मिलीभगत है उसके चलते कोई भी कार्यवाही अब तक नहीं हुई है। नगरपालिका छबड़ा को इसमें संज्ञान लेना आवश्यक है ताकि ज़मीन माफियाओं से इस तरह आगे कोई शिकार न हो।

चंद्रप्रकाश गेरा द्वारा बेची गयी बजरंगनगर कॉलोनी छबड़ा की भूमि जिस पर विवाद हुआ है।

इस बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं अगर मामला सामने आया तो नियमानुसार कार्यवाही होगी। नियम हम बाद में बताएंगे।
महेंद्र सिंह चारण, अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका छबड़ा जिला बाराँ

हमने तहसील से रिकार्ड मंगवाया है, रिकार्ड आने के बाद ही अनुसंधान शुरू होगा।
मंगतूराम, अनुसंधान अधिकारी, थाना छबड़ा

नगरपालिका के अनुमोदन में नक़्शा, लेआउट,प्लान व सारी जानकारी नियमानुसार होती है ऐसे में क्रेता को नगरपालिका द्वारा 90बी व अनुमोदित हुए भूखण्ड ही खरीदने चाहिए। हम इस संबंध में एक बार और सार्वजिनक सूचना प्रसारित करेंगे ताकि जनता जागरूक रहे ज़मीन के बेचान व खरीद के मामलों में।
कैलाशचन्द जैन,अध्यक्ष नगरपालिका छबड़ा,जिला बाराँ

चंद्रप्रकाश गेरा भाजपा नगर अध्यक्ष है जिनसे हमने 2008 में प्लॉट खरीदा था लेकिन ज़मीन कम थी और गेरा ने ज़्यादा भूखण्ड काट दिए इस कारण हमारी सबकी भूखण्ड साइज़ नोटेरी के हिसाब से बहुत कम हो गयी। ये प्लॉट्स कन्वर्ट नहीं थे उस दौरान ज़मीन खाली थी। हमारे साथ धोखाधड़ी हुई है नोटेरी के अनुसार व पूरी साइज़ के भुगतान के बाद भी हमें प्लॉट नहीं दिया जा रहा।
बजरंगनगर कॉलोनी प्लॉट न.09 क्रेता कपिल शर्मा

सावन उत्सव का आयोजन सम्पन्न

हिलव्यू समाचार
जयपुर। श्रीराम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट और सशक्तिकरण ग्रुप द्वारा आयोजित 'सावन उत्सव' का आयोजन 22 जुलाई, 2023 को जयपुर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस समारोह के अवसर पर श्रीराम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट और सशक्तिकरण ग्रुप में उन समाज सेवा और देश सेवा के सभी व्यक्तियों को सम्मानित किया जो समाज में और देश में कुरीतियों को हटाकर नवीनीकरण के आधार पर बदलाव लाने के लिए आम जनता को जागृत करने के उद्देश्य से कार्य में लगे हुए हैं।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमहापौर श्री पुनित कर्णावट समाजसेवी राधेश्याम गुप्ता रहे। सभी व्यक्तियों को ट्रस्टी नवीन कुमार भंडारी ने सम्मानित किया उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को यह संदेश दिया कि समाज में प्रगति और विकास के लिए हम सभी को साथ मिलकर काम करना आवश्यक है और इस उत्सव को एक सामाजिक परिवार के रूप में सम्पन्न किया जा सकता है।

सशक्तिकरण ग्रुप की विजिया कोठारी ने महिलाओं के लिए एकजुटता परिचय देने का संकल्प किया और समाज में हो रहे महिला अत्याचार के खिलाफ सबको जागृत किया तत्पश्चात महिलाओं को सेल्फ डिफेंस तथा अवेयरनेस के लिए जन जागृति अभियान की घोषणा की और कहा कि महिला किसी भी तरह की अत्याचारों को नहीं सहेगी पिछले कई वर्षों से हो रहे महिलाओं के ऊपर अत्याचार एक होकर पूरे देश में और समाज में उठाने के लिए प्रतिज्ञा ली।सुशीला छाबड़ा तथा रतन सोगानी द्वारा मनोरंजक कार्यक्रम का संचालन किया गया। भंडारी ने कार्यक्रम के समापन पर का मंच संचालन कर रही नेहा जैन और पायल बैद को पुरस्कार देकर सम्मानित किया एवं समस्त अतिथि व आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

आरटीई भुगतान को लेकर प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन ने दिया ज्ञापन

हिलव्यू समाचार
बारां। आरटीई पुनर्भरण राशि के भुगतान की मांग को लेकर प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन द्वारा 26 जुलाई को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन दिया गया।जिला मीडिया प्रभारी राजेश पंकज ने बताया कि जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा क्वांटम की अगुवाई में निजी स्कूल संचालक बुधवार को दोपहर 1 बजे मुख्य जिलाशिक्षाधिकारी कार्यालय पहुँचे जहां प्रदर्शन कर डीईओ को ज्ञापन दिया गया। जिलाध्यक्ष शर्मा ने कहा कि पूर्व में भी निजी स्कूल संचालकों एवं एसोसिएशन द्वारा कई बार ज्ञापन देकर अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया। लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। जिससे स्कूल संचालकों में रोष व्याप्त है। जिला शिक्षाधिकारी के उदासीनपूर्ण रवैये के कारण बारां जिले में निजी विद्यालयों को आरटीई की पुनर्भरण राशि का भुगतान अटका हुआ है। जबकि प्रदेश के अन्य जिलों में इसका भुगतान हो चुका है। पिछले कुछ दिनों पूर्व भी एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल जिला शिक्षाधिकारी से मिलकर इस संबंध में वार्ता कर चुका है। जिसके भी कोई सकारात्मक परिणाम नहीं आए हैं। जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने चेतावनी दी है कि इस अंतिम ज्ञापन के बाद समस्या का समाधान नहीं हुआ तो निजी स्कूल संचालक आंदोलन करेंगे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा हमारी पंचायत हमारा गौरव अभियान का आयोजन

हिलव्यू समाचार
छबड़ा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष भवानी शंकर मालव के नेतृत्व में आज छबड़ा तहसील में कांग्रेस कमेटी के नवाचार हमारी पंचायत हमारा गौरव अभियान की तीसरी चौपाल ग्राम पंचायत हन्याहेड़ी में आयोजित की गई।सभी अतिथियों का ग्रामवासियों द्वारा जोरदार माल्यार्पण कर स्वागत किया गया ।

रात्रि चौपाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष भवानी शंकर मालव ने कहा कि कांग्रेस को बूथ स्तर से मज़बूत करने के उद्देश्य से एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नवाचार किया जा रहा है।जिसका नाम हमारी पंचायत हमारा गौरव रात्रि चौपाल दिया गया है इस अभियान के तहत छबड़ा की प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा बैठक आयोजित की जाएगी एवं राज्य की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा ।

ब्लॉक अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री की जनहितकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत से अवगत कराया।

बैठक को वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं संगठन प्रभारी ओम प्रकाश शंकर कॉलोनी , रमेश तेजस्वी , राम कल्याण बेरवा सरपंच पचपाडा, ,रमेश तेजस्वी सहवरित पार्षद लाल जी राम लोधा, छीतर सेन, हरिप्रसाद लोधा, लक्ष्मीनारायण लोधा,फुलनसिंग मीणा मंडल अध्यक्ष ,रामगोपाल मीणा उपाध्यक्ष, सतीश शर्मा कोषाध्यक्ष, केसरी सिंह नगदा, भूरा लाल बंजारा, भागीरथ बंजारा ने संबोधित कर राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया एवं कांग्रेस के कार्यकर्ताओ को बूथ स्तर से मजबूत करने का आवाहन किया। भागीरथ बंजारा को यूथ कांग्रेस पंचायत अध्यक्ष की नियुक्ति की गई।तेलनी मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर लोधा, पंचायत अध्यक्ष जगदीश लोधा एवं वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता लाल जी राम लोधा , सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने सभी आगंतुक का स्वागत कर धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम का संचालन दिनेश सेन प्रवक्ता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा किया गया।

कांग्रेस नेता पर हुआ जानलेवा हमला

जमीन विवाद और राजनीतिक रंजिश को लेकर दिया गया था वारदात को अंज़ाम

चार आरोपी हुए गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
अटरू। आख़िरकार कांग्रेस नेता और उसके साथियों पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने 48 घण्टों में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

बारां के अटरु थाना क्षेत्र के बंमोरी में यह वारदात हुई दोनों पक्षों में सरकारी जमीन पर कब्ज़ा करने और राजनीतिक रंजिश के चलते आरोपियों ने हमला किया था।अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। झारखंड गांव निवासी मोहनलाल मीणा ने रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया कि सोमवार शाम को वह और उनका भतीजा दिनेश मीणा, उसका चाचा मोहनलाल मीणा, लखन मीणा, सुरेंद्र मीणा 2 अलग-अलग बाइक से अटरु थाना क्षेत्र के बमोरी गांव में गए थे। सोमवार शाम को वापस लौटते समय एक बाइक पर दिनेश मीणा और लखन आटोन की ओर जा रहे थे। उसी दौरान बंमोरी निवासी पंकज नागर के मकान के पास पहुंचे, तो वहां मौजूद पंकज नागर, ललित नागर, द्वारकालाल नागर, जगदीश, जगमोहन नागर और उनके 15-20 साथी खड़े थे। जिन्होंने बाइक सवार दिनेश और लखन पर फावड़े से हमला करने का प्रयास किया। आरोपियों ने उनका पीछा कर गांव से कुछ ही दूर घेरकर रोक लिया। आरोपियों ने कांग्रेस नेता दिनेश मीणा पर जमीन विवाद और राजनीतिक रंजिश को लेकर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में दिनेश मीणा गंभीर घायल हो गया। बीच बचाव करने आए मोहनलाल और उसके साथियों को भी चोट आई।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट और जानलेवा हमले का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने भी घटनास्थल का मुआयना किया। जानलेवा हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एएसपी जिनेंद्र जैन और डीएसपी अजीत मेघवंशी के सुपरवीजन में अटरु थानाधिकारी रामगिलास गुर्जर की टीम गठित की गई। पुलिस ने वारदात में शामिल चारों मुख्य आरोपियों बंमोरी निवासी प्रदीप उर्फ ललित पुत्र द्वारकालाल नागर, धर्मराज उर्फ धर्मा पुत्र गिरधारीलाल नागर, श्याममुरारी पुत्र गंगाविशन नागर, जगदीश पुत्र जमनालाल नागर को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से वारदात में शामिल अन्य आरोपियों और घटना में प्रयुक्त हथियारों की बरामदगी को लेकर गहनता से पूछताछ में जुटी हुई है।

विद्युत करंट से 35 वर्षीय महिला की हुई मौत

परिजनों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का लगाया आरोप

छबड़ा (हिलव्यू समाचार)। ग्रीन जोन में होते आवासीय या व्यवसायिक अवैध निर्माणों का नतीजा बेहद दर्दनाक होता है। 11 केवी की लाइन के आसपास केवल खाली ज़मीन और हरियाली ही मान्य होती है किंतु थोड़े से लालच में नगरपालिका व बिजली विभाग की लापरवाही इस तरह की दुर्घटनाओं को आमंत्रण देती है। हेमा शर्मा पत्नी सतीश शर्मा निवासी भुलोन के घर में 11 केवी का करंट उतर जाने के कारण कूलर में भयंकर करंट आ गया जिसकी चपेट में आने से हुई उसकी मृत्यु हो गयी। कुम्भकर्णी नींद में सोए परिवारों को यह ज्ञात नहीं कि ये ग्रीन जोन की बसावट कितनी ख़तरनाक है। मृतका हेमा शर्मा के परिजनों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

छबड़ा के वार्ड 4 के पार्षद पांचाल ने एईएन बिजली को सौंपा ज्ञापन

छबड़ा (हिलव्यू समाचार)। वार्ड 4 के पार्षद पांचाल ने बताया कि कस्बे की इंद्रा कॉलोनी, हिलव्यू कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्र में आए दिन हाई वोल्टेज व कम वॉल्टेज की समस्या से इलेक्ट्रोनिक उपकरण खराब हो रहे हैं। केबल में फाल्ट आने से वार्डवासी परेशान होते हैं। शिकायत कराने के बावजूद बिजली निगम के कर्मचारी अस्थाई रूप से समस्या का समाधान कर देते हैं लेकिन यह समस्या बरक़रार है और आये दिन बिजली की कटौती से छबड़ा वासी ग्रस्त है इन सभी समस्यायों से निजात पाने के लिए नई केबल डलवाने की मांग की और बिजली विभाग की व्यवस्था को सुधारने हेतु वार्ड 4 के पार्षद पांचाल द्वारा बिजली विभाग में पदस्थ एईएन संदीप जैन को ज्ञापन दिया गया इस पर एईएन संदीप जैन ने पार्षद पांचाल को जल्द कार्यवाही कर नई केबल डालने व बिजली सप्लाई व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया।

हिलव्यू समाचार

विचार

जयपुर, शुक्रवार, 28 जुलाई 2023

सम्पादकीय

हंगामा करके संसद की गरिमा को ठेस न पहुंचाएं

संसद लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है। जहां से देश की व्यवस्था चलती है, लेकिन बीते कुछ सालों से संसद की गरिमा प्रभावित हुई है। संसद में हंगामा करने के लिए किस तरह नित-नए बहाने तलाश जाते हैं। कभी किसान आंदोलन तो कभी उद्योगपति अडाणी के चलते ससंद का पूरा का पूरा सत्र ही खराब हो जाता है। जब मकसद हर हाल में हंगामा करना ही हो तो फिर बहाने खोजना कठिन काम नहीं। बात विपक्ष या सत्ता पक्ष की नहीं है। सदन में केवल और केवल हंगामा ही नजर आ रहा है। कायदे से हंगामा करने वाले सांसदों के खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए, लेकिन जब भी ऐसा होता है, तब हंगामा करके अपने निलंबन को निमंत्रण देने वाले सांसद यह रोना रोने लगते हैं कि उन्हें बोलने से रोका जा रहा है। इतने से भी संतोष नहीं होता तो आपातकाल लग जाने या फिर तानाशाही कायम हो जाने का शोर मचाया जाने लगता है। हैरत नहीं कि हंगामा करके संसद न चलने देने वाले सांसद यह मानकर चल रहे हों कि वे अपने उद्देश्य में सफल हैं। बड़ी बात नहीं कि उनके नेताओं की ओर से उन्हें शाबाशी भी मिल रही हो। चूंकि राजनीतिक दल संसद में हंगामा करने को एक तरह की उपलब्धि मानने लगे हैं, इसलिए संसदीय कार्यवाही का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। यदि इस गिरावट को रोका नहीं गया तो ऐसी भी स्थिति बन सकती है कि संसद के चलने या न चलने का कोई महत्व न रह जाए। अब मानसून सत्र को ही लें। यह सत्र 11 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 17 बैठकें होंगी। केंद्र सरकार मानसून सत्र में 31 बिल ला रही है। इनमें 21 नए बिल हैं वहीं 10 बिल पहले संसद में किसी एक सदन में पेश हो चुके हैं। उन पर चर्चा होगी। सबसे ज्यादा चर्चित बिल दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़ा अध्यादेश है, लेकिन सदन में जिस तरह के हालात हैं, उससे तो कहीं नजर नहीं आता कि चर्चा हो भी पाएगी या नहीं। इससे पहले पूरे देश ने देखा कि संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण बिना किसी विशेष कामकाज के समाप्त हो गया। जहां विपक्ष अदाणी मामले की जांच संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी से कराने की अपनी मांग को लेकर हंगामा करता रहा, वहीं सत्तापक्ष इस मांग पर अड़ा रहा कि राहुल गांधी अपने उस बयान के लिए माफी मांगें जो उन्होंने लंदन में दिया था। अच्छा होता कि संसद में लगातार हंगामा होते देखकर इस सत्र को तय समय के पहले ही खत्म कर दिया जाता। इससे और कुछ नहीं तो सरकारी कोष का कुछ धन ही बच जाता। संसद न चलने देने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का जो काम कर रहे हैं, उसका औचित्य इसलिए नहीं, क्योंकि कहीं न कहीं दोनों पक्ष ही इसके लिए जिम्मेदार हैं। सत्ता पक्ष का काम जहां सदन को चलाना है वहीं विपक्ष का कार्य सरकार का सहयोग करना होता है, लेकिन हो रहा है इसके उलट। अब मानसून सत्र को ही लें। विपक्ष मणिपुर को लेकर लालपीला हो रहा है, होना भी चाहिए। देश के किसी भी राज्य में कानून व्यवस्था और आम आदमी की सुरक्षा बड़ा मुद्दा है, लेकिन इसके लिए राज्यसभा के सभापति के आसन के आगे आकर नारेबाजी को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता। विपक्ष का काम सरकार से सवाल करना है, हंगामा करना नहीं। इसी हंगामे के चलते जब सभापति ने आप सांसद संजय सिंह के खिलाफ कार्रवाई की तो पूरा विपक्ष ही शेरगुल पर उतर आया। दोनों पक्षों को न केवल संसद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए, बल्कि यह भी सोचना चाहिए कि देशवासियों ने उन्हें सदन में हंगामा नहीं विकास करने के लिए भेजा है। हंगामे से न केवल देश की छवि खराब हो रही है बल्कि देशवासियों के खून पसीने की कमाई की भी बर्बादी की हो रही है।

गरीबी उन्मूलन

डॉ. अश्विनी महाजन

दुनिया को भारत से सीखना चाहिए

नरेंद्र मोदी सरकार का बहुआयामी गरीबी के निर्धारकों पर विशेष ध्यान रहा। आज भारत में बाल मृत्यु दर घटकर मात्र 1.5 प्रतिशत रह गई है, जो 2015-16 में 2.2 प्रतिशत थी। यह भारतीय बच्चों के पहले से बेहतर स्वास्थ्य का जीता जागता सबूत है। पोषण और कुपोषित बच्चों के प्रतिशत में भी भारी सुधार हुआ है, जो 2005-06 में 44.3 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 21.1 प्रतिशत और 2019-21 में केवल 11.8% रह गया है। आवास की बात करें, तो पिछले 8 वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण दोनों मिलाकर लगभग 3 करोड़ घर बनाए गए हैं, जिस पर केंद्र द्वारा 5 लाख करोड़ रुपये की सहायता दी गई है।

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2023 रिपोर्ट में भारत की इस बात के लिए सराहना की गई है कि उसने गरीबी उन्मूलन में अन्य देशों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। 2015 में, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में से एसडीजी 1, में उम्मीद की गई थी कि दुनिया में 2030 तक सभी प्रकार की गरीबी समाप्त हो जायेगी। वर्ष 2023 की रिपोर्ट इस लक्ष्य के लिए निर्धारित 15 वर्षों के लगभग मध्य में आई है, जिसमें इस बात पर संतोष व्यक्त किया गया कि वैश्विक स्तर पर इस लक्ष्य की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यूएनडीपी गरीबी की एक परिभाषा का उपयोग करता है, जिसे बहुआयामी गरीबी कहा जाता है। यह परिभाषा सभी देशों के लिए समान है। विश्व के विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उपयोग की जाने वाली गरीबी की भिन्न-भिन्न परिभाषाओं के कारण गरीबी का एक समान आकलन संभव नहीं हो पाता है और इसके कारण विश्व के विभिन्न देशों के बीच तुलना करना भी कठिन है।

यूएनडीपी के बहुआयामी गरीबी माप में कई अभाव तत्व शामिल हैं, जो सभी देशों में समान हैं। इसमें पोषण, बाल मृत्यु दर, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, रसोई ईंधन, स्वच्छता, पीने का पानी, बिजली, आवास और संपत्ति शामिल हैं। गौरतलब है कि विभिन्न देशों में डेटा की उपलब्धता के आधार पर अलग-अलग वर्षों में बहुआयामी गरीबी का अनुमान लगाया गया है। अतः यूएनडीपी के आंकड़ों से किसी एक वर्ष में विभिन्न देशों में गरीबी का तुलनात्मक अध्ययन संभव नहीं है। विभिन्न देशों के लिए यूएनडीपी के पास उपलब्ध प्रारंभिक डेटा 2005-06 से 2019-21 तक है। इसलिए रिपोर्ट में प्रकाशित आंकड़ों से यह पता लगाना संभव नहीं है कि एक निश्चित अवधि के दौरान दुनिया के सभी देशों में तुलनात्मक रूप से गरीबी कितनी और कब कम हुई है। भारत के संदर्भ में, यूएनडीपी डेटा तीन वर्षों, 2005-06, 2015-16 और 2019-21 का विवरण देता है। इस डेटा के मुताबिक भारत में साल 2005-06 में 55.1 फीसदी आबादी यानी 64.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से पीड़ित थे। 10 साल बाद 2015-16 में यह आंकड़ा 27.7 फीसदी यानी 37 करोड़ तक पहुंच गया। इन 10 वर्षों के दौरान गरीबी के प्रतिशत में कमी की दर सालाना 6.6 प्रतिशत रही। लेकिन 2015-16 से 2019-21 की अवधि में बहुआयामी गरीबी से पीड़ित गरीबों का अनुपात घटकर जनसंख्या का केवल 16.4 प्रतिशत रह गया और गरीबों की संख्या घटकर केवल 23 करोड़ रह गई। यानि सिर्फ 5 साल में 14 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए और गरीबी कम होने की रफ्तार बढ़कर सालाना 10 फीसदी से भी ज्यादा हो गई। यह बताना महत्वपूर्ण है कि 2015-16 और 2019-21 के बीच केवल 5 वर्षों में गरीबों की संख्या में 38 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसमें एक वर्ष से अधिक की सबसे खराब महामारी भी शामिल है। ऐसे में यह समझना

जरूरी होगा कि इस दौरान ऐसा क्या खास हुआ कि गरीबी कम करने में अभूतपूर्व तेजी आई, जिससे यूएनडीपी को भारत की तारीफ करनी पड़ी।

ये भारत के लिए तो अच्छी खबर है ही, दुनिया के लिए भी अहम है। चूंकि यूएनडीपी ने बहुआयामी गरीबी के जो आंकड़े प्रकाशित किए हैं, वे अलग-अलग वर्षों के हैं, यूएनडीपी द्वारा मूल्यांकन किए गए 81 देशों (जिनके बारे में एजेंसी ने डेटा प्रकाशित किया है) के 150.8 करोड़ गरीब लोगों में से 64.5 करोड़ लोग भारत से थे। यानी इन 81 देशों के 42.8 फीसदी से ज्यादा गरीब भारत में रहते थे। लेकिन यूएनडीपी के ताजा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के इन 81 देशों में गरीबों की कुल संख्या अब घटकर 97.4 करोड़ रह गई है, लेकिन इसमें उल्लेखनीय और दिलचस्प तथ्य यह है कि इस संख्या में भारत का योगदान केवल 23 करोड़ ही है। यानी अब इन 81 देशों के केवल 23.7 प्रतिशत गरीब लोग ही भारत से आते हैं। इसका मतलब यह भी है कि बहुआयामी गरीबी के तहत लोगों की संख्या में कुछ अन्य देशों का योगदान पहले से ही बढ़ गया है। इतना ही नहीं, जहां 81 देशों का संयुक्त बहुआयामी गरीबी सूचकांक अब 0.275 से घटकर 0.203 पर आ गया है, वहीं भारत का सूचकांक 2005-06 में 0.283 से घटकर 2015-16 में 0.122 और 2019-21 में सिर्फ 0.069 पर आ गया है, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है। यह भारत के लिए गर्व की बात है और दुनिया के लिए चिंता का कारण है। दुनिया को इससे सबक लेने की जरूरत है कि उसे भी भारत की तर्ज पर बहुआयामी गरीबी दूर करने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। नरेंद्र मोदी सरकार का बहुआयामी गरीबी के निर्धारकों पर विशेष ध्यान रहा। आज भारत में बाल मृत्यु दर घटकर मात्र 1.5 प्रतिशत रह गई है, जो 2015-16 में 2.2 प्रतिशत थी। यह भारतीय बच्चों के पहले से बेहतर स्वास्थ्य का जीता जागता सबूत है। पोषण और कुपोषित बच्चों के प्रतिशत में भी भारी सुधार हुआ है, जो 2005-06 में 44.3 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 21.1 प्रतिशत और 2019-21 में केवल 11.8% रह गया है। आवास की बात करें, तो पिछले 8 वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण दोनों मिलाकर लगभग 3 करोड़ घर बनाए गए हैं, जिस पर केंद्र द्वारा 5 लाख करोड़ रुपये (लगभग 60 अरब डॉलर) की सहायता दी गई है। कोरोना के कारण सबके लिए पक्के आवास का लक्ष्य समय पर पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब तक मुश्किल से कुछ लाख लोग ही बचे हैं जिनके पास पक्का घर नहीं है। यूएनडीपी के अनुसार वर्ष 2015-16 में कुल 23.5 प्रतिशत आबादी पक्के घरों से वंचित थी और 2019-21 में केवल 13.6 प्रतिशत रह गई।

नरेंद्र मोदी सरकार की एक और महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल से जल पर तेजी से काम हुआ है और अब यूएनडीपी के अनुसार 2019-21 में केवल 2.7 प्रतिशत आबादी सुरक्षित पेयजल से वंचित थी। स्वच्छता की बात करें तो पिछले 8 वर्षों में 11 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को 9.59 करोड़ गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं और मार्च 2023 तक देश में कुल 31.26 करोड़ एलपीजी गैस कनेक्शन थे। ऐसा माना जाता है कि हमारी आबादी का बहुत कम प्रतिशत बचा है जिसके पास एलपीजी गैस कनेक्शन के रूप में स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन तक पहुंच नहीं है। आज देश के दूर-दराज के गांवों तक भी बिजली पहुंच चुकी है और सरकार का दावा है कि देश के 100 प्रतिशत गांवों में बिजली पहुंच चुकी है। ये दुनिया के लिए एक सबक है। बहुआयामी गरीबी को भी दूर किया जा सकता है, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और आवश्यक प्रयासों की जरूरत है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

सारा संसार

तमिलनाडु के कोयंबटूर शहर के केंद्र में स्थित है; श्री अय्यप्पन मंदिर एक महत्वपूर्ण मंदिर है जो भगवान श्री अयप्पा को समर्पित है। ऐसा माना जाता है कि इसे 20 वीं शताब्दी के मध्य में एक ट्रस्ट द्वारा स्थापित किया गया था, जिसे श्री धर्म संस्था भक्त जन सभा कहा जाता है।

प्रसारण दिवस

प्रत्यूष शर्मा

देश के 99 प्रतिशत लोगों तक रेडियो की पहुंच

प्रतिवर्ष 23 जुलाई को भारत में राष्ट्रीय प्रसारण दिवस के रूप में मनाया जाता है। रेडियो एक ऐसा माध्यम है जिसमें हर वर्ग यानि बच्चों, युवाओं, वयस्कों और बुजुर्गों के लोगों के लिये सूचना, जानकारी और मनोरंजन सभी तरह के कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। देश में आज एफएम और निजी चैनलों की भरमार है, लेकिन एक वक्त था, जब समाचार और मनोरंजन का एकमात्र साधन रेडियो और दूरदर्शन ही हुआ करते थे। रेडियो के आविष्कारक मारकोनी ने पहली बार इटली में 1895 रेडियो सिग्नल भेजा था। हमारे देश में रेडियो की शुरुआत कुछ यूँ हुई।

भारत में सबसे पहले रेडियो प्रसारण जून 1923 में बॉम्बे के रेडियो क्लब ने किया था। जुलाई 1923 में जब भारत पर ब्रिटिश का राज था उसी समय भारत में रेडियो प्रसारण की बात शुरू हुई, जो 23 जुलाई 1927 को बम्बई (अब मुंबई) में भारतीय प्रसारण सेवा के नाम से शुरू हुई और 26 अगस्त 1927 को कोलकाता से भी रेडियो प्रसारण शुरू हो गए। देश में रेडियो प्रसारण की शुरुआत मुंबई और कोलकाता में सन 1927 में स्थापित दो निजी ट्रांसमीटरों से की गई। 1930 में इसका राष्ट्रीयकरण हुआ और सरकार ने इन्हें अपने अधीन ले लिया और इनका नाम बदलकर भारतीय प्रसारण सेवा कर दिया। 8 जून 1936 को रेडियो को एक नया नाम मिला यानि ऑल इंडिया रेडियो, जिसे हम आकाशवाणी के नाम से भी जानते हैं। 1930 में इसका राष्ट्रीयकरण हुआ और सरकार ने इन्हें अपने अधीन ले लिया और इनका नाम बदलकर भारतीय प्रसारण सेवा कर दिया। 1936 में इसका नाम बदलकर ऑल इंडिया रेडियो कर दिया गया। फिर 1957 में इसका नाम बदल कर आकाशवाणी रखा गया। सरकारी प्रसारण संस्थाओं को स्वायत्तता देने के इरादे से 23 नवंबर 1997 को प्रसार भारती का गठन किया गया, जो देश की एक सार्वजनिक प्रसारण संस्था है और इसमें मुख्य रूप से दूरदर्शन और आकाशवाणी को शामिल किया गया है। आकाशवाणी, केन्द्रीय सरकार के प्रसार और सूचना मंत्रालय के अधीनस्थ एक विभाग है।

ऐसा माना जाता है कि भारत की जनसंख्या के 99 प्रतिशत लोगों तक रेडियो की पहुंच है। रेडियो प्रसार का एक ऐसा माध्यम है जिसकी पहुंच आज टीवी और समाचार पत्र से भी अधिक है। इस वर्ष भारत में रेडियो प्रसारण के लगभग 96 वर्ष हो जाएंगे। वर्तमान में प्रसार भारती के पूरे भारत में लगभग 470 प्रसारण केंद्र हैं। यह 23 भाषाओं और 179 बोलियों में अलग-अलग कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। यदि ग्राम-सुधार का एक ब्रॉडकास्टिंग स्टेशन अलग से बनवा दिया जाए और उससे जीवन से संबंधित बातें उन लोगों तक पहुंचाई जाएं तो बहुत लाभ हो सकता है। अनपढ़ लोगों को अशिक्षा के इस गड्ढे से निकालने का काम रेडियो द्वारा सुगमता से किया जा सकता है।

ये लेखक के अपने विचार हैं।

दर्शन

संकलित

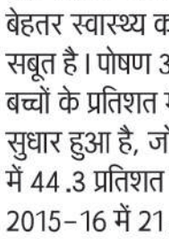

शिव कोई नाम नहीं है

मनुष्य की प्रकृति को समझने, हर तरह के मनुष्य के लिए एक रास्ता खोजने के अर्थ में, यह वाकई एक शाश्वत या हमेशा बना रहने वाला योगदान है। यह उस युग का या उस युग के लिए योगदान नहीं है। सृष्टि का अर्थ है कि जो कुछ नहीं था, वह एक-दूसरे से मिलकर कुछ बन गया। उन्होंने इस सृष्टि को खोलकर एक शून्य की स्थिति में लाने का तरीका खोजा। इसीलिए हमने उन्हें शिव नाम दिया। इसका अर्थ है 'वह जो नहीं है'। जब 'वह जो नहीं है', कुछ या 'जो कुछ है' बन गया, तो हमने उस आयाम को ब्रह्म कहा। शिव को यह नाम इसलिए दिया गया, क्योंकि उन्होंने एक तरीका, एक विधि नहीं, बल्कि हर संभव तरीका बताया कि चरम मुक्ति को कैसे पाएं, जिसका अर्थ है, कुछ से कुछ नहीं तक जाना। शिव कोई नाम नहीं हैं, वह एक वर्णन है। जैसे यह कहना कि कोई डाक्टर है, वकील है या इंजीनियर है, हम कहते हैं कि वह शिव हैं, जीवन को शून्य बनाने वाले। इसे जीवन के विनाशकर्ता के रूप में थोड़ा गलत समझ लिया गया, लेकिन वह भी सही है। बात मात्र यह है कि जब आप 'विनाशकर्ता' शब्द का इस्तेमाल करते हैं, तो लोग उसे बुरा समझ लेते हैं। अगर किसी ने 'मुक्तिदाता' कहा होता तो उसे अच्छा माना जाता। धीरे-धीरे 'शून्य करने वाला', 'विनाशकर्ता' बन गया और लोग यह सोचने लगे कि वह बुरे हैं। आप उन्हें कुछ भी कहिए, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता- बुद्धिमत्ता की प्रकृति यही है।

प्रेरणा

संकलित

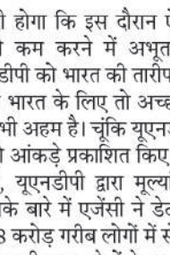

भगवान या भाग्य को दोष नहीं देना चाहिए

एक बूढ़ी महिला गौतम बुद्ध के पास पहुंची। उस महिला की बुद्ध के लिए गहरी आस्था थी। दरअसल, उस महिला के बेटे की मृत्यु हो गई थी। महिला बहुत दुखी थी और उसने बुद्ध से कहा कि आप मेरे बच्चे को जीवित कर दीजिए। महिला को लग रहा था कि बुद्ध उसके बेटे का जीवन बचा सकते हैं। बुद्ध ने महिला की बात सुनी और कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने कहा कि ठीक है, मैं ऐसा कर दूंगा, लेकिन तुम्हें किसी ऐसे घर से मुट्ठी भर सरसों के दाने लेकर आना है, जहां कभी किसी की मौत न हुई हो। जिस परिवार ने किसी की मृत्यु का दुख नहीं देखा है, वहां से सरसों ले आओ। महिला ने सोचा कि ये तो छोटा सा काम है। बूढ़ी महिला गांव की ओर चल दी और एक-एक घर में जाकर पूछने लगी। महिला जिस घर में जाती, वहां कहती कि अगर आपके घर में कभी किसी की मृत्यु न हुई हो तो एक मुट्ठी सरसों के दाने दे दीजिए। गांव के सभी लोगों का यही जवाब रहता था कि हमारे घर में मृत्यु तो हुई है। कुछ लोगों की बढ़ी उम्र में हुई है तो किसी की असमय हुई। जब सभी घरों से ऐसे ही उत्तर मिल रहे थे तो महिला समझ गई कि बुद्ध ने मुझे जरूर कुछ सोचकर ही भेजा है। जब वह लौटकर बुद्ध के पास पहुंची, तब तक वह जान चुकी थी कि एक दिन मौत सबको आनी है। उसका शोक लंबे समय तक नहीं मनाना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

नदियों को स्वच्छ रखना जरूरी

अक्सर यह भी देखा गया है कि धार्मिक आयोजनों में उपयोग की जाने वाली सामग्री या सामान को लोग धार्मिक आयोजन के संपूर्ण होने के बाद या तो किसी पानी की नहर में या फिर नदी में फैंक देते हैं। कुछ लोग तो सूखी हुई नहर में ही यह सामग्री डाल देते हैं, फिर यह क्या पाप हुआ या पुण्य? लोग गंगा नदी के किनारे जाते हैं पुण्य कमाने, लेकिन गंगा में पॉलीथीन या अन्य गंदगी डालने से भी परहेज नहीं करते। हमारा फर्ज है कि हम नदियों को स्वच्छ रखें। जिससे वातावरण स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी। और नदी और तालाब का पानी भी स्वच्छ रह पाएगा।

-जयंती कुमार, रायपुर

ट्रेंड

एजेंडे की राजनीति

गृहमंत्री ने बहुत शालीनता के साथ विपक्ष द्वारा उठाई जा रही चर्चा की मांग को स्वीकार किया। लोस अध्यक्ष ने विपक्ष से चर्चा को सुचारू चलाने के लिए अनुरोध किया, लेकिन जिनका एजेंडा राजनीति हो, उन्हें राष्ट्र-नीति समझ नहीं आती है।

-धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री

मणिपुर में क्या हो रहा

चलिए मान लेते है कि बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हुईं। यह मणिपुर में जारी हिंसा को कैसे माफ करता है? क्या घाटी में कोई कुकी बचा है? क्या चुराचंदपुर में कोई मेइती बचा है?

-पी. चिदंबरम, कांग्रेस नेता

मानव बुद्धि अव्वल

मानव बुद्धि ज्ञात ब्रह्मांड में सबसे बड़ी क्षमता रखती है, बशर्ते हम इसका सचेत रूप से उपयोग करें। इस दुनिया में मानव से ज्यादा सतर्क और सचेत कोई और नहीं है। इंसान अपनी बुद्धि का उपयोग कौशलता व मानवता से करे।

-सदगुरु, आध्यात्मिक गुरु

मुझे एक्स पसंद

यह निश्चित नहीं है कि किस सूक्ष्म सुराग ने इसे रास्ता दिया, लेकिन मुझे अक्षर एक्स पसंद है। आज रात से हमारा मुख्यालय एक्स से सजा होगा। यदि एक्स किसी भी चीज की शैली के करीब है, तो वह निश्चित रूप से आर्ट डेको होना चाहिए।

-एलन मस्क, उद्योगपति

करंट अफेयर

ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका से 20 हरक्यूलिस विमान खरीदेगा

ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि वह 6.6 अरब अमेरिकी डालर की लागत से अमेरिका से 20 नये सी-130 हरक्यूलिस विमान खरीदेगा। इन विमानों की खरीद के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई वायुसेना के दूसरे सबसे बड़े भारी परिवहन विमानों के बेड़े में दो तिहाई की वृद्धि हो जाएगी। अमेरिका की ओर से बड़े स्तर पर लॉकहीड मार्टिन निर्मित 24 विमानों की बिक्री की कांग्रेस द्वारा पिछले साल दी गयी मंजूरी के बाद यह घोषणा की गई है। रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरॉय ने बताया कि चार इंजन वाले नये हरक्यूलिस का पहला विमान 2027 में मिलने की उम्मीद है। नये सी-130 हरक्यूलिस विमान रॉयल ऑस्ट्रेलियाई वायुसेना (आरएएएफ) द्वारा सिडनी के पास स्थित रिचमंड एयरबेस से संचालित किये जा रहे 12 हरक्यूलिस विमानों की जगह लेंगे। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका फिलहाल ऑस्ट्रेलियाई तट पर सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। इसमें 13 देश और 30 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। यह अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर वैश्विक चिंताएं जाहिर की जा रही हैं।

ऑफ बीट

चार लाख साल पहले हरा-भरा था ग्रीनलैंड

लगभग 400,000 साल पहले, ग्रीनलैंड के बड़े हिस्से बर्फ-मुक्त थे। द्वीप की उत्तर-पश्चिमी उच्चभूमि पर झाड़ीदार टुंड्रा सूर्य की किरणों का आनंद लिया करता था। साक्ष्य बताते हैं कि कीड़ों से गुलजार स्प्रूस पेड़ों का जंगल, ग्रीनलैंड के दक्षिणी हिस्से में फैला हुआ था। उस समय वैश्विक समुद्र का स्तर बहुत अधिक था, आज के स्तर से 20 से 40 फुट ऊपर। दुनिया भर में, वह भूमि जो आज करोड़ों लोगों का घर है, पानी में डूबी हुई थी। वैज्ञानिक काफी समय से जानते हैं कि ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर पिछले दस लाख वर्षों में किसी न किसी समय गायब हो गई थी, लेकिन निश्चित रूप से नहीं कह सकते कि यह कब गायब हुई थी। ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर के लगभग एक मील मोटे हिस्से के नीचे से शीत युद्ध के दौरान निकाली गई जमी हुई मिट्टी का उपयोग करके तारीख निर्धारित की। समय - लगभग 416,000 वर्ष पहले, जिसमें बड़े पैमाने पर बर्फ-मुक्त स्थितियाँ 14,000 वर्षों तक चलीं - महत्वपूर्ण है। उस समय, पृथ्वी और इसके प्रारंभिक मानव सबसे लंबे अंतर-हिमनद काल से गुजर रहे थे क्योंकि बर्फ की चादरें 25 लाख वर्ष पहले उच्च अक्षांशों को ढके हुए थीं।

डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

वर्ष : 10 > अंक : 06 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

जीवन में अच्छे व बुरे कर्मों का परिणाम अवश्य मिलता है।
-शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र

जयपुर, शुक्रवार, 28 जुलाई 2023

राजस्थान कांग्रेस के लिए विभीषण बने राजेन्द्र गुढ़ा

शालिनी श्रीवास्तव

क्या राजेन्द्र गुढ़ा बनेंगे गहलोत सरकार के ख़िलाफ़ आधुनिक विभीषण और खोलेंगे सारे राज़ गहलोत सरकार के मंत्रियों के?

मणिपुर सहित भारत की महिलाओं की इज़्ज़त की रक्षा के लिए यौद्धा बनकर विधानसभा रण में उतरे राजेन्द्र गुढ़ा को गहलोत के मंत्रीमण्डल से बर्खास्त अवश्य कर दिया गया किंतु लाखों महिलाओं के हृदय पर राज करने वाले नेता बन गए राजेन्द्र गुढ़ा

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। महाभारत के अभिमन्यु की तरह लाल डायरी के मामले में विधानसभा में गहलोत सरकार के मन्त्रिमण्डल के चक्रव्यूह के घेरे को तोड़कर राजेन्द्र गुढ़ा बाहर तो आ गए लेकिन अपना ब्रह्मास्त्र यानी लाल डायरी वहीं लुटा आये।

रावण की नाभि का रहस्य विभीषण ने श्रीराम को बताया तो रावण राज का अंत हुआ था लेकिन क्या यह आधुनिक विभीषण गुढ़ा गहलोत सरकार के अंत का कारण बन सकेंगे और अगर बन गए तो क्या युग पुरुष से नाम से नवाजे जाएंगे प्रदेश की जनता द्वारा?

लाल डायरी का रहस्य कुछ-कुछ मुँह ज़ुबानी बताने वाले राजेन्द्र गुढ़ा इतने सीधे तो नहीं कि इस लाल डायरी का मूल रूप ही लेकर घूम रहे होंगे चलो मान लेते हैं कि घूम भी रहे हों ऑरिजिनल डायरी लेकर तो कौन मानेगा कि इसकी प्रतियाँ प्रतिलिपि के रूप में इनके पास सुरक्षित नहीं होंगी।

लाल डायरी का रहस्य उजागर हो न हो लेकिन गुढ़ा का उज्ज्वल भविष्य ज़रूर उजागर हो गया है क्योंकि बग़ावत हमेशा ईमानदार और स्वाभिमानी लोग ही करते हैं बाक़ी लोग तो केवल और केवल तलवे चाटते हैं और ग़ुलामी वाली ज़िन्दगी जीते हैं।

लगभग पिछला वर्ष गहलोत सरकार के लिए शनि की साढ़े साती साबित हुआ है जिसमें सियासी शनि महाराज का क्रोध कभी पायलेट बनकर,कभी अशोक चांदना बनकर,कभी-कभी खाचरियावास बनकर और ज़्यादातर राजेन्द्र गुढ़ा बनकर गहलोत सरकार पर बरस रहा है।

राजस्थान के सियासी गलियारों में सर्दी और बरसात के मौसम में भी भयंकर गरमा-गर्मी का अहसास पूरे साल बनता रहा है और ऐसे में विपक्ष को इस गर्मी के गर्म तपते तवे पर रोटी और गर्म भट्टी में भुट्टा सेंकने का आनंद प्राप्त होता आ रहा है।

गहलोत मंत्रिमंडल से बर्खास्त, कांग्रेस से निष्कासित किए गए राजेंद्र गुढ़ा कभी अशोक गहलोत के बहुत क़रीबी नेता हुआ करते थे। आख़िर ऐसा क्या हुआ कि सीएम गहलोत के संकटमोचक और हनुमान जी की तरह पहाड़ी नहीं बल्कि सीबीआई के घेरे से लाल डायरी उड़ा ले आने वाले राजेंद्र गुढ़ा ने अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है?

राजेंद्र गुढ़ा उन नेताओं में शामिल नहीं थे जो 2020 में सचिन पायलट के साथ हरियाणा के मानेसर चले गए थे, तब भी सीएम गहलोत के साथ गुढ़ा डटकर खड़े थे।

इस वक्त गुढ़ा सियासी महाभारत के चक्रव्यूह में फंस गए हैं।जहाँ गहलोत की कौरव सेना ही नहीं बल्कि बड़े-बड़े महारथी यानी दुर्योधन के रूप में स्वयं गहलोत,कर्ण के रूप में महेश जोशी और द्रोणाचार्य के रूप में धर्मन्द्र राठौड़ ने उन्हें घेर लिया है। अब गुढ़ा की मेहनत और महत्वाकांक्षाओं का वध होगा या वो अवध यानी राजस्थान की राजनीति में आगे भी राज करते रहेंगे या नहीं यह पूरे देश में देखने वाली बात होगी।

दिखने लगा है गहलोत से दुश्मनी का असर

- गोविंदगढ़ स्थित अस्पताल और जमीन कब्जाने में जांच के दौरान राजेन्द्र गुढ़ा का नाम आया सामने
- गुढ़ा का नाम आने के बाद पुलिस ने फाइल को गत सप्ताह ही सीआईडी में भेजने का ले लिया निर्णय
- आईजी जयपुर रेंज के यहाँ से फाइल पहुँच गयी सीआईडी में
- गहलोत के प्रिय और ख़ास मंत्री महेश जोशी ने गुढ़ा पर मानहानि का दावा ठोकने का किया एलान
- गुढ़ा के करीबी कहे जाने वाले और समर्थक झुंझुनू जिले की उदयपुरवाटी रामनिवास सैनी भी नगरपालिका चेयरमैन पद से निलंबित और सदस्यता से बाहर
- अभी कई मामले दर्ज होंगे गुढ़ा के ख़िलाफ़ पानी में रहकर मगर से जो बैर कर लिया गुढ़ा ने

सीएम गहलोत और राजेंद्र गुढ़ा के बीच क्यों और कैसे दुश्मनी का बाँध बन्ध गया यह तो बाद में चर्चा होगी लेकिन दुश्मनी का असर दिखने लगा है कि इस वक्त गुढ़ा सियासी महाभारत के चक्रव्यूह में फंस गए हैं जहाँ गहलोत की कौरव सेना ही नहीं बल्कि बड़े-बड़े महारथी दुर्योधन के रूप में स्वयं गहलोत,कर्ण के रूप में महेश जोशी और द्रोणाचार्यके रूप में धर्मन्द्र राठौड़ ने उन्हें घेर लिया है अब गुढ़ा की मेहनत और महत्वाकांक्षाओं का वध होगा या वो अवध यानी राजस्थान पर आगे भी राज करेंगे यह देखने वाली बात होगी।

ख़बर-बेख़बर

पीआरएन साउथ जेडीए का जोन बना अवैध निर्माणों का गढ़

क्या जेडीए प्रवर्तन अधिकारी सुरेंद्र पंचोली ने मूँद रखी है आँखें और बन्द कर रखें हैं कान

या तो परमिशन ही नहीं या फिर परमिशन के विपरीत जाकर हो रहे अवैध बहुमंज़िला निर्माण

कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। बिना सेट बैक छोड़े गगनचुंबी इमारतों का अवैध निर्माण लगातार जारी है पी आर एन साउथ में। बिल्डर्स ने बिल्डिंग बायलॉज के नियमों का मज़ाक बना कर रख दिया है।

न बिल्डिंग बायलॉज के नियम कायदों की परवाह और न ही शासन प्रशासन का डर। आख़िर बैख़ौफ़ होते बिल्डर्स क्या प्रमाणित करते हैं? क्या वजह है कि विजिलेंस अधिकारी सुरेन्द्र पंचोली ने अपनी आँखें बंद कर रखी है सिर्फ़ आँखे ही नहीं बल्कि कान भी बंद कर रखे हैं जो इन्हें इतने अवैध निर्माण न दिख रहे है और न इनके विरुद्ध उठती आवाज़ों की गूंज सुनाई पड़ रही है ? एक तरफ राजेन्द्र नगर प्रथम में बिल्डर संजय अग्रवाल द्वारा आठ फ्लैटस की परमिशन लेकर 16 फ्लैट्स बनाये जाते है तो वही दूसरी तरफ़ गणेश नगर बी, पीआरएन साउथ-प्रथम और पण्डित पैराडाइज के पीछे, बदरवास तिराहा, अजमेर रोड़ पर लगातार हो रहे हैं अवैध निर्माण। धड़ल्ले से होते यह अवैध निर्माण जयपुर विकास प्राधिकरण को कटघरे में खड़ा करते हैं क्योंकि जेडीए के अधिकारियों कर्मचारियों की मिलीभगत के बिना एक ईंट भी लगाना सम्भव नहीं। ये अवैध निर्माण सरकार और जेडीए दोनों में फैले भ्रष्टाचार को साबित करते हैं। इस तरह तो यूँ कहें कि जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर विनाश प्राधिकरण बनता जा रहा है। अगले अंक में विस्तार से होगा पीआरएन साउथ के अवैध निर्माणों का ख़ुलासा।

भाजपा महिला मोर्चा ने यूडीएच मंत्री धारीवाल के आवास के बाहर किया विरोध प्रदर्शन

लाल डायरी लहरा कर और थाली नाद कर किया विरोध प्रदर्शन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। ''नहीं सहेगा राजस्थान'' अभियान के तहत भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रक्षा भंडारी, प्रदेश व जिला पदाधिकारियों ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के सरकारी आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान डॉ. रक्षा भंडारी ने कहा कि महिला अपराध के मामलों में राजस्थान नंबर एक पर है। प्रदेश में जिस तरह आए दिन महिलाओं के साथ दुष्कर्म और हिंसा की घटनाएं हो रही है गहलोत सरकार आधी आबादी को सुरक्षा देने में पूरी तरह से नाकाम रही है। कांग्रेस की गहलोत सरकार में महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है। सड़क से लेकर स्कूल, कॉलेज, कार्यस्थल पर महिलाएं सुरक्षित नहीं है।

मुख्यमंत्री गहलोत के जंगल राज के खिलाफ ''नहीं सहेगा राजस्थान'' अभियान के तहत आज 200 विधानसभा में भी विरोध प्रदर्शन किया गया। वहीं छोटी चौपड़ पर भी विरोध प्रदर्शन किया गया।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष जयश्री गर्ग ने कहा कि जिस तरह प्रदेश में कानून व्यवस्था है उसके चलते आज महिलाएं और बच्चियां घर से बाहर निकलने से डरने लगी है। इस सरकार ने अपने साढ़े चार साल के शासन में सिर्फ जंगल राज किया है, लेकिन अब वक्त आ गया है सरकार की विदाई का।

प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री सरिता गैना, प्रदेश उपाध्यक्ष राधा भारद्वाज, प्रदेश मंत्री दीपा नाथावत, ज्योति ज्यानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी स्नेहा काम्बोज शर्मा, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक वर्तिका सैन, महिला मोर्चा जयपुर जिला अध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी, अमरावती शर्मा, अंजू मिश्रा, एकता अग्रवाल आदि अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

इस बार एक यक्ष प्रश्न जनता से

माफ़ियाओं का सर्वेसर्वा कौन?

ख़ुद आम जनता? जनप्रतिनिधि? शासन या प्रशासन?

सहकारिता विभाग की सरकारी ज़मीन, पुराने सरकारी डाकघर,सरकारी स्कूल और बन्नूवाल कमेटी की करोड़ों की सरकारी ज़मीन का होगा ज़रूर हिसाब-क़िताब

समाज में चारों ओर तेज़ी से माफ़ियागुट सक्रिय हैं ब्याज़ माफ़िया, खनन माफ़िया, भूमाफ़िया, बजरी माफ़िया, सेक्सरैकैट माफ़िया, बलात्कारी, हत्यारे, चोर-उचक्के, आतंकवादी, सट्टेबाज़, जुआखोर या खाईवाल इन सबको पनपाने वाला है कौन आख़िर?

कुछ प्रश्न

- कौन है सीमा अग्रवाल,क्या करती हैं काम? कौन था गोल्डी या कौन था विजय पूनिया?
- हाई प्रोफाइल बनाम प्रॉस्टीट्यूट का धंधा कहाँ और कैसे संचालित होता है राजापार्क में!
- कैसे और किस वकील की फ़र्ज़ी नोटेरी से हुई फ़र्ज़ी रजिस्ट्रियां और फ़र्ज़ी किराएनामे

सरकारी ज़मीन पर अवैध दुकानें

करोड़ों की पूर्वज की इज़्ज़त बन्नूवाल कमेटी की ज़मीन की लड़ाई को नज़रंदाज़ कर कोड़ियों में गिरवी रखकर सुप्रीम एल्युमिनियम का बिजनेसमैन जितेंद्र गुलाटी भूमाफिया गिरोह में शामिल

अगले अंकों में ख़ुलासा होगा राजापार्क के भूमाफ़ियाओं के अन्य ठिकानों, गुमनाम संपत्तियों, सैक्स रैकेट्स, जुआ-सट्टा खेलने व हुक्काबारों के ठिकानों का!

हिलव्यू समाचार द्वारा लगातार सरकार व प्रशासन को चेताते इन समाचारों की मुहिम को एक मंज़िल मिल गयी कि मुख्य सचिव राज.सरकार सहित ईडी, एसीबी, सीबीआई इनकमटैक्स, में इनके काले कारनामों पर उम्मीद है जल्द ही कार्यवाही होगी और इस तरह खुलासा होगा एक बड़े भ्रष्टाचार का जिसमें इन माफियाओं के साथ कई बड़े अधिकारियों, कर्मचारियों, नेताओं और जनप्रतिनिधियों के नाम भी आएंगे सामने जो इनकी इस साजिश और जालसाजी का हिस्सा रहे हैं जिनके सहयोग से यह भूमाफ़िया पनप सके और समाज में गंदगी फैला सके हैं।

बन्नूवाल कमेटी की करोड़ों की ज़मीन पर कब्जा और दूसरी अवैध मंज़िल भी सक्रिय

सरकारी ज़मीन पर झूठी लीज के नाम पर सालों से कब्जा।

इन भूमाफ़िया का इतिहास एक नज़र में

पंचवटी सर्कल की कहानी का ये 9वां अंक है जिसमें हम बताएंगे कि किस तरह राक्षसों की इस प्रवृति ने राजापार्क का जीना हराम कर रखा है और किस तरह इनके कुकर्मों की सजा इनके परिवार किसी न किसी रूप में भोग रहे हैं। इन्हीं माफ़ियाओं में से किसी का पिता,किसी का भाई,किसी की बहन और किसी का बेटा आकस्मिक दर्दनाक मृत्यु का शिकार हुए हैं लेकिन इनका मन नहीं पसीजा,न ही इनकी भ्रष्ट बुद्धि में सुधार हुआ बल्कि ये और ज़्यादा आज़ाद हो गए दूसरे घरों को तबाह करने के लिये।

जुआ,सट्टा और खाईवाली के धंधे ने न जाने कितने परिवारों को तबाह किया है और न जाने कितने मासूमों की जान ली है। आये दिन अख़बार में सुर्खियों में छपा होता है भूमाफ़िया,ब्याज़ माफ़िया या अन्य के दबाव में आकर फ़लाँ ने की आत्महत्या। सरकारी व सांस्थानिक ज़मीनों सहित निजी लावारिस ज़मीनों पर षड्यंत्र से कब्ज़ा करने वाले यह माफ़िया केवल भूमाफिया नहीं बल्कि भिन्न-भिन्न शक्लों में हर तरह की माफ़ियागिरी में लिप्त हैं।

- पहला माफ़िया चंद सालों पहले एक ऑटो ड्राइवर पसीने से लथपथ होकर ऑटो चलाता है टायर पंचर होने पर या ब्रेक वायर टूटने पर अपने हाथों से सुधारता है और हाथों में लगी कालिख़ यानि काले रंग की ग्रीस के काले कलर से इतना प्यार कर बैठता है कि वो मेहनत का काम छोड़कर कुछ सालों में ही काली कमाई का बादशाह बन बैठता है । और इस तरह यह माफ़िया कभी लॉटरी के धंधे में हेराफेरी करके तो कभी दो लोगों के लफड़े में मध्यस्थ बनकर पैसा लूटने लगता है फिर अपने शैतानी दिमाग़ में और ज़्यादा खुराफ़ातें लेकर आता है और साँठगाँठ कर के सरकारी ज़मीनों पर कब्जा करना शुरू कर देता है इसी के साथ ये माफ़िया शराब,शबाब और क़बाब के दरवाज़े खोल देता है और फिर नेताओं,अधिकारियों,पैसे वाले बेवकूफ़ों को लूटने और खसोटने और जाल में फँसाने का खेल शुरू करता है।
- दूसरा माफ़िया छोटी सी थड़ी में बीड़ी सिगरेट, गुटका,दूध दही बेचना शुरू करता है पर शैतानी दिमाग़ खाईवाली के धंधे में बहुत छोटी सी उम्र में एंट्री करवा देता है और न जाने कितने परिवारों की बद्दुआ को खुद के सिर पर लेकर क़दम-दर-क़दम आगे बढ़ता रहता है।
- महज ये माफ़िया समूह यही नहीं रुकता है इसी सफर में एक और माफ़िया लोहे के हथौड़े चलाते हुए वेल्डिंग करते हुए इन भूमाफियाओं के साथ जुड़ता जाता है और माफ़ियागिरी में जोड़-तोड़ बैठाने के लिए राजनीति का सहारा लेकर पार्षद बन बैठता है इस तरह सफ़र अनवरत चलता रहता है। यात्रा का वृत्तांत अभी यही नहीं रुका है पर अभी सिर्फ इतना ही कहानी आगे बढ़ेगी अगले अंक में...

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। अक्सर सुना जाता है कि कोई अपने आपको श्रीराम का वशंज बताता है और कोई श्री कृष्ण का कोई किसी देवता या महान आत्मा का वशंज है तो कोई किसी और महान शख़्सियत का लेकिन आज तक किसी को यह कहते नहीं सुना कि मैं रावण या कौरवों या राक्षसों का वशंज हूँ तो क्या राक्षस इस दौर में नहीं बचे.....? हाँ ! ज़रूर बचे हैं क्योंकि इस युग में कुकर्मों को अंज़ाम देने वाले हर व्यक्ति को राक्षस प्रवृति का दरिंदा ही कहा जाता है।

ब्याज़ माफ़िया, खनन माफ़िया, भूमाफ़िया, बजरी माफ़िया, सेक्स रैकेट माफ़िया, बलात्कारी, हत्यारे, चोर-उचक्के, आतंकवादी, सट्टेबाज़, जुआखोर या खाईवाल यह सभी इस युग में राक्षसों की कमी को पूरा कर रहे हैं। इनको राक्षसों के वशंज भी नहीं कहा जा सकता क्योंकि इनकी पाप प्रवृति के लिए इनके पूरे कुनबों यानी इनके परिवारों के इतिहास को कटघरे में खड़ा करना भी ठीक नहीं।

अपने स्वार्थ के लिए जर, जोरू और ज़मीन के लिए ये माफिया सबकुछ तबाह कर सकते हैं अपना जीवन भी झौंक सकते हैं और तो और परिवार-खानदान का नाम भी डूबो सकते हैं।जर का अर्थ होता है धन,जोरू का अर्थ है औरत और ज़मीन का अर्थ भूमि इन तीनों के प्रति लालच और मोह इनके सोचने समझने की क्षमता छीन लेता है फिर ये खेल शुरू करते हैं इंसानियत को शर्मसार करने का और अपने कुकर्मों से समाज में गंदगी फैलाने का।

स्मार्ट सिटी में टॉर्चर करती अव्यवस्थाएं:

रामपुरा चिकित्सालय में गर्भवती महिलाएँ मरीज़ वृद्धजन,तिमारदार लिफ्ट की सुविधा से हैं वंचित

पवन भटनागर, कैलाशपुरी कोटा (हिलव्यू समाचार)। ज़िला चिकित्सालय परिसर रामपुरा में शासन और प्रशासन का सारा ध्यान अपने राजनैतिक आकाओं की गुड बुक में अपना नाम दर्ज कराने पर ही लगा हुआ है।विगत लगभग तीन सप्ताह से भी अधिक समय से फुल टाईम प्रेग्नेंट महिलाओं (प्रसूताओं) व उनके साथ आने वाली तिमारदार बुजुर्ग महिलाओं को अव्यवस्थाओं का टॉर्चर सहना पड़ रहा है।लिफ्ट लगातार ख़राब है और जबकि लिफ्ट की मरम्मत पर ही लाखों रूपए फूंक देने के बावजूद लिफ्ट प्रशासनिक लापरवाहीऔर अव्यवस्था के चलते नाकारा निकम्मी सी हो गई है।

ज़िला चिकित्सालय परिसर रामपुरा में शासन का ध्यान निर्माण पर है और प्रशासन का ध्यान सत्ताधारियों की जी हुज़ूरी पर।फिर चाहें फुल टाईम प्रेग्नेंट प्रसूताएं कितनी भी तकलीफ़ झेलें उन्हें इससे कोई सरोकार नहीं। रामपुरा चिकित्सालय कोटा उत्तर के रहवासियों के लिए ही नहीं दूर-दराज के मरीजों की भी पहली पसन्द है खास कर गर्भवती महिलाओं के परिजन भी इस हॉस्पिटल को ही अपनी प्राथमिकता में रखते हैं, लेकिन लिफ्ट जैसी असुविधा से नाराज़ और मजबूर हैं।

हिलव्यू समाचार

प्रदेश

जयपुर, शुक्रवार, 28 जुलाई 2023

क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

मंत्री धारीवाल ने सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

हिलव्यू समाचार

कोटा। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल के नेतृत्व में कोटा में लगातार निकाली जा रही हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की पद यात्रा क्षेत्रवासियों के लिए सौगात साबित हो रही है। पदयात्रा के दौरान मंत्री धारीवाल और अमित धारीवाल आमजन से मुखातिब होकर क्षेत्र में करवाए गए विकास कार्यों का फीडबैक ले रहे हैं।

वही किसी भी क्षेत्रवासी की ओर से कोई समस्या बताए जाने पर समाधान का मौके पर ही निर्देश भी दिए जा रहे हैं। मंगलवार को मंत्री धारीवाल के नेतृत्व में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा के दौरान परकोटा वासियों को मंत्री धारीवाल ने बड़ी सौगात दी। उन्होंने वार्ड-55 में दो करोड़ रुपए की लागत से नगर निगम द्वारा निर्मित किए गए अत्याधुनिक सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान धारीवाल ने कहा कि परकोटा क्षेत्र में बड़े सामुदायिक भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

क्षेत्रवासियों की मांग के अनुरूप अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सामुदायिक भवन विकसित किया गया है। इसमें क्षेत्र के लोग सामाजिक एवं अन्य कार्यक्रम कर सकेंगे। उन्होंने क्षेत्रवासयों से सामुदायिक भवन का रख-रखाव करने की भी अपील की। इस मौके पर आयोजित लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए पीसीसी महासचिव अमित धारीवाल ने कहा कि यह सामुदायिक भवन आस-पास के आधा दर्जन से अधिक वार्डवासियों को सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने 5 साल में कोटा में प्रत्येक सेक्टर में हुए विकास कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। इस मौके जिलाध्यक्ष रविन्द्र त्यागी, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड उपाध्यक्ष पंकज मेहता, मेयर मंजू मेहरा, उप महापौर पवन मीणा सहित कांग्रेस कार्यकर्ता, क्षेत्रवासी और निगम अधिकारी मौजूद रहे।

वार्ड-55 में घर-घर पहुंची पदयात्रा

सामुदायिक भवन के लोकार्पण से पहले मंत्री शांति धारीवाल के नेतृत्व में वार्ड 55 में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत पदयात्रा घर-घर पहुंची। पदयात्रा का वार्ड वासियों ने जगह-जगह स्वागत किया। पदयात्रा के दौरान वार्डवासियों ने आतिशबाजी कर स्वागत किया गया। मंत्री धारीवाल और पीसीसी महासचिव अमित धारीवाल क्षेत्रवासियों से रूबरू हुए। इस दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्रवासियों की समस्या को सुना और मौके पर ही अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

एक नज़र

डीडवाना के अशोक कुमार ने जीते एक लाख

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए चलाए जा रहे जनसम्मान वीडियो कांटेस्ट में अब तक कई प्रदेशवासियों को ईनामी राशि दी जा चुकी है। इस बीच 21 जुलाई के जारी हुए परिणाम में डीडवाना, नागौर के 23 वर्षीय अशोक कुमार बारूपाल ने प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपए जीते। दूसरे स्थान पर रोहट, पाली के 31 वर्षीय राजा राम रहे। उन्होंने 50 हजार रुपए की ईनाम राशि प्राप्त की। वहीं श्रीगंगानगर के 39 वर्षीय अकबर अली ने 25 हजार की ईनाम राशि जीत कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही 100 प्रदेश वासियों को 1000 रुपए का प्रेरणा पुरस्कार भी मिला।

पीसीसी मुख्यालय से अटैच हुए 11 उपाध्यक्ष

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्षों और महासचिवों को सोमवार को पीसीसी मुख्यालय में अटैच किया गया है। पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को आदेश जारी कर 11 उपाध्यक्षों के अलावा 8 महासचिवों को पीसीसी मुख्यालय से अटैच है। इस सूची में उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, गजराज सिंह खटाना, हकीम अली, मंजू मेघवाल, वीरेंद्र बेनीवाल, हीरालाल दारंगी, जाग्रत सिंह कांग, समरजीत सिंह, रफीक माण्डलिया, राजकुमार जयपाल और दर्शन सिंह शामिल हैं। वहीं महासचिव राकेश पारीक, रीटा चौधरी, स्वर्णिम चतुर्वेदी, प्रतिष्ठा यादव, महेंद्र सिंह गुर्जर, अमित धारीवाल, सुमन यादव और विजेंद्र सिंह सिद्धू को अटैच किया गया है।

दूसरी जाति के युवक से विवाह करने पर आहत मां-बाप ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

बर्दाश्त नहीं हुआ बेटी का दुत्कारना माता-पिता ने लगाया मौत को गले

हिलव्यू समाचार

पाली। बेटी के प्रेम विवाह से आहत दंपति ने मंगलवार को ट्रेन के आगे कूदकर जीवन लीला समाप्त कर ली। जैसे ही यह खबर लोगों को पता चली, सभी स्तब्ध रह गए। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना सदर थाना इलाके के जोधपुर रोड़ गुमटी के पास रेलवे ट्रेक की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। घटना के बाद काफी देर तक तो दोनों ही शवो की पहचान ही नहीं हुई। तलाशी में जेब से मकान की चाबी और सुसाइड नोट मिला। इसमें लिखा था 'मेरी बेटी ने सुबह किसी दूसरी जाति के लड़के से लव मैरिज कर ली। इससे मैं, मेरी पत्नी और बेटा बहुत दुखी हैं। बेटी के ऐसा कदम उठाने से आहत होकर हम पति-पत्नी यह कदम उठा रहे हैं। हमारा बेटा गौरव बहुत लायक है। उसे ईश्वर खूब तरक्की दे। मेरे भाई-भाभी और साला-साली से आशा करता हूं कि वे मेरे प्यारे बेटे का ध्यान रखें। हमारा आशीर्वाद हमेशा उसके साथ रहेगा। पुलिस-प्रशासन उसे परेशान न करे।' मामले के अनुसार शहर के जोधपुर रोड स्थित गुमटी के निकट स्थित रेलवे ट्रैक पर मंगलवार सुबह जोधपुर-रतलाम ट्रेन के आगे कूदकर दंपती ने खुदकुशी कर ली। हादसे में पति-पत्नी के शव के कई टुकड़े हो गए। वहीं ट्रेन भी एक घंटे तक रुकी रही। इस कारण रेलवे यातायात प्रभावित रहा। मृतक दंपती की पहचान पाली के पुराना हाउसिंग बोर्ड निवासी अशोक व्यास (55) और उनकी पत्नी मीना व्यास (50) के रूप में हुई। मौके पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने शवों को बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। युवती के पिता अशोक सब्जी बेचने का काम करते थे।

बेटी को खूब समझाया, नहीं मानने पर आहत हो उठाया कदम

अशोक व्यास की बेटी (22) एसपी के सामने पेश हुई थी। इस दौरान अशोक और उनकी पत्नी भी थाने आए थे। माता-पिता ने अपनी बेटी को खूब समझाया। बेटी ने उनकी बात नहीं मानी और युवक के साथ ही रहने की रजामंदी दी। बेटी के इस रवैये से दंपती बहुत आहत हुआ। इसके अलावा उनका बेटा गौरव (25) भी तनाव में आ गया। किराए के मकान पर ताला लगाकर दोनों पति-पत्नी मंगलवार सुबह पैदल ही जोधपुर रोड ओवरब्रिज के नीचे पहुंचे और ट्रेन के आगे कूद गए।

पद के दुरुपयोग के आरोप में उदयपुरवाटी चेयरमैन निलंबित

गुढ़ा के बाद अब करीबियों पर सरकार की 'सर्जिकल स्ट्राइक'

हिलव्यू समाचार

झुंझुनूं। राज्य सरकार ने मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा को बर्खास्त करने के बाद अब उनके करीबियों पर भी 'सर्जिकल स्ट्राइक' शुरू कर दी है। इसके तहत पहली गाज उदयपुरवाटी नगरपालिका के चेयरमैन रामनिवास सैनी पर गिरी है। जिन्हें स्वायत्त शासन विभाग ने मंगलवार को निलंबित कर दिया। डीएलबी डायरेक्टर हृदेश कुमार शर्मा ने एक आदेश जारी कर चेयरमैन रामनिवास सैनी को न केवल चेयरमैन पद से बल्कि नगरपालिका सदस्य पद से भी निलंबित कर दिया है।

इसके बाद गुढ़ा के समर्थकों में हड़कंप मच गया है। इधर राजेन्द्र गुढ़ा ने मंगलवार सुबह से नारी सम्मान ऊंट गाड़ी यात्रा शुरू की। उधर, जयपुर से शाम को उदयपुरवाटी चेयरमैन के निलंबन के आदेश जारी हो गए। राजनीतिक गलियारों में इस कार्रवाई को गुढ़ा पर की गई कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि जिस मामले में चेयरमैन को निलंबित किया गया है। उस मामले की जांच काफी समय से चल रही थी, लेकिन वर्तमान घटनाक्रम के दौरान ही चेयरमैन पर कार्रवाई होने से सभी इसे गुढ़ा के बगावती कदम से जोड़कर देखा जा रहा है।

डीएलबी डायरेक्टर हृदेश कुमार शर्मा द्वारा जारी आदेश में पद के दुरुपयोग के मामले का भी विस्तृत विवरण दिया गया है। दरअसल वर्ष 2022 में चेयरमैन ने नगरपालिका में चार बागवानों की नियुक्ति कर दी थी। बागवान के उक्त चार पद नगरपालिका में स्वीकृत नहीं थे। जिन बागवानों को नियुक्ति दी गई थी वो आपस में रिश्तेदार थे। इसकी जांच करवाई गई तो सैनी की ओर से पद का दुरुपयोग करने की बात सामने आई। इसके बाद सैनी से स्पष्टीकरण मांगा गया, लेकिन विधिक परीक्षण में स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं मिला।

इसके बाद रामनिवास सैनी पर अध्यक्ष के रूप में अपने कर्तव्य का पालन नहीं करने और पद का दुरुपयोग करने के आरोप को प्रमाणित किया गया। उनका यह कृत्य प्रतिकूल आचरण माना गया।

गुढ़ा ने शुरू की नारी सम्मान यात्रा

लाल डायरी के बाद पूरे देश में छाए गहलोत सरकार के बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार से उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र झुंझुनूं के उदयपुरवाटी विधानसभा क्षेत्र के झड़ाया गांव से ऊंट गाड़ों के साथ नारी सम्मान यात्रा शुरू कर दी है। इसका गांवों में जगह-जगह स्वागत हो रहा है। बारिश के बावजूद न तो गुढ़ा और ना ही उनके समर्थक रुक रहे हैं। राजू बन गया जेंटलमेन.... गाना डीजे पर बजाया जा रहा है। गुढ़ा ने कहा कि वे अब पूरे राजस्थान में जाकर गहलोत सरकार के काले कारनामे बताएंगे।

मदन नहीं तो सदन नहीं: राठौड़

प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा है कि भाजपा विधायक मदन दिलावर का विधानसभा से निलंबन मामले में भाजपा सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि मदन नहीं तो सदन नहीं... के नारे के साथ भाजपा मदन दिलावर के निलंबन को रद्द करवाने की मांग करेगी। राठौड़ पीएम के प्रस्तावित सीकर दौरे की तैयारियों को लेकर सूरजगढ़ पंचायत समिति में भाजपा नेताओं व पदाधिकारियों की बैठक लेने आए थे। पत्रकारों के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजेंद्र सिंह गुढ़ा को लेकर सार्वजनिक मंच पर कहा था कि वे गुढ़ा के अहसानमंद हैं, जिन्होंने उनकी सरकार बचाई। दुर्भाग्यपूर्ण है कि गुढ़ा के इस अहसान को सीएम ने जूतों, लातों और थप्पड़ों से उतारा। उन्होंने कहा कि मेरे साथ राजेंद्र गुढ़ा का गठजोड़ बताया जा रहा है। यदि गहलोत मंत्रीमंडल के किसी सदस्य का गठजोड़ मेरे साथ है। तो गहलोत को सावधान हो जाना चाहिए। पता नहीं कितने ही लोगों को वो अपनी आस्तीन में लेकर घूम रहे हैं।

शहीद कालू लाल की अंतिम यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

हिलव्यू समाचार

बूंदी। जिले के हिंडोली इलाके के हनुमानपुरा गांव निवासी शहीद कालूलाल का मंगलवार को राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया। ग्रामवासियों ने अपने लाडले को नम आंखों से विदाई दी। लोगों ने शहीद कालूलाल अमर रहे-अमर रहे... के नारें लगाए तो माहौल देशभक्ति से सराबोर हो गया। इस दौरान सैनिक कालू लाल को बड़ी संख्या में लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे। शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। क्षेत्रीय विधायक व खेल मंत्री अशोक चांदना, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी व जिला कलेक्टर रविन्द्र गोस्वामी सहित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले शहीद का शव पश्चिम बंगाल के पानागढ़ आर्मी कैंप से जयपुर तक हवाई मार्ग से लाया गया। फिर सड़क मार्ग से पार्थिव देह को हिंडोली लाया गया। जहां पर शहीद स्मारक पर कुछ देर पार्थिव देह को रोका गया। यहां पर लोगों ने शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

भ्रूण लिंग जांच में डिटेन किए गए दोनों आरोपी हुए गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य पीसीपीएनडीटी प्रकोष्ठ की ओर से 18 जुलाई 2023 को गुजरात के यशदीप अस्पताल में किए गए सफल इंटरस्टेट डिकॉय ऑपरेशन में डिटेन किए गए दोनों आरोपी चिकित्सकों महेन्द्र कुमार और अन्य सहायक चिकित्सक दीपक कुमार पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दोनों से डिकॉय राशि के कुल 30 हजार रुपए बरामद कर लिए हैं। गौरतलब है कि इस डिकॉय ऑपरेशन में पूर्व में एक आरोपी महिला दलाल शांता देवी, उम्र 48, निवासी उदयपुर को गिरफ्तार कर लिया गया था। अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया की पीसीपीएनडीटी डिकॉय टीम लगातार गत एक सप्ताह से गुजरात के हिम्मत नगर में कैंप कर कार्यवाही को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

गहलोत सरकार का बड़ा फैसला

राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल का होगा गठन, बनेंगी तीन बटालियन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान सरकार ने औद्योगिक इकाइयों के सुरक्षा के लिए अब राज्य स्तरीय फोर्स गठन करने का फैसला लिया है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की तर्ज पर राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल का गठन होगा। इसमें तीन बटालियन गठित की जाएगी। इनका मुख्यालय भिवाड़ी, चित्तौड़गढ़ और बालोतरा में होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इनके लिए लगभग 21 करोड़ के वित्तीय प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री ने तीनों बटालियन के लिए कुल 3072 नवीन पदों के सृजन को स्वीकृति दी हैं। इनमें प्रति बटालियन कमांडेंट, डिप्टी कमांडेंट का एक-एक पद, सहायक कमांडेंट के 10, कंपनी कमांडेंट के 9, प्लाटून कमांडर के 45, हेड कांस्टेबल के 200 और कांस्टेबल के 734 पद सृजित होंगे। इसी तरह सहायक लेखाधिकारी, कनिष्ठ लेखाकार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, सूचना सहायक, चिकित्सक, नर्स का एक-एक, वरिष्ठ सहायक, चपरासी के दो-दो, कनिष्ठ सहायक के चार और कुक के 10 पदों की स्वीकृति दी गई है।

बटालियनों का क्षेत्राधिकार

इस स्वीकृति से प्रदेश की औद्योगिक इकाइयों को सहज एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाया जा सकेगा। इससे प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। भिवाड़ी बटालियन के कार्यक्षेत्र में जयपुर, अजमेर, सीकर, अलवर, झुंझुनूं, भरतपुर, दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर जिले हैं। इनमें 3,81,694 पंजीकृत इकाइयां शामिल हैं। चित्तौड़गढ़ बटालियन में भीलवाड़ा, उदयपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बारां व बूंदी जिले होंगे, जहां 2,39,339 पंजीकृत इकाइयां हैं। वहीं, बालोतरा बटालियन में जोधपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, पाली, हनुमानगढ़, बाड़मेर, नागौर, चूरू, जालोर, सिरोही और जैसलमेर जिले शामिल होंगे। इनमें 3,53,528 पंजीकृत इकाइयां हैं।

सीआईएसएफ की तर्ज पर करेंगे काम

सीआईएसएफ यानी केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का काम देश की प्रॉपर्टी की सुरक्षा करना है। इसी तर्ज पर आरआईएसफ काम करेगी। सीआईएसएफ के पास हवाई अड्डे, बंदरगाह, पावर प्लांट सहित महत्वपूर्ण सरकारी भवनों, विरासतों और दिल्ली मेट्रो तक की सुरक्षा का जिम्मा है। साथ ही, कुछ वीआईपी को सुरक्षा देने का काम भी सीआईएसएफ का है। इसी तरह आरआईएसएफ भी जयपुर मेट्रो, सरकारी भवनों, विरासतों और औद्योगिक इकाइयों को सुरक्षा प्रदान करेगी।

हिलव्यू समाचार

राजधानी

जयपुर, शुक्रवार, 28 जुलाई 2023

एक नज़र

प्रदेश में होगा तेली घाणी विकास बोर्ड का गठन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा तेली समुदाय के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक उन्नति के लिए 'राजस्थान राज्य तेली घाणी विकास बोर्ड' का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंजूरी के बाद सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने इसके गठन का आदेश जारी कर दिया है। यह बोर्ड तेली समुदाय के लोगों के उत्थान के

लिए नवीन योजनाएं बनाकर तथा समस्याओं की पहचान कर राज्य सरकार को सुझाव प्रस्तुत करेगा। बोर्ड में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा 3 सदस्यों सहित कुल 5 गैर सरकारी सदस्य होंगे।

जल जीवन मिशन

5 लाख 40 हजार जल कनेक्शन से राजस्थान पहुंचा चौथे स्थान पर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जल जीवन मिशन के तहत राजस्थान तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में अभी तक 5 लाख 40 हजार जल कनेक्शन जारी कर राजस्थान देश में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। साथ ही, अभी तक जेजेएम में 17 हजार 578 करोड़ रुपए खर्च कर प्रदेश का देश में दूसरा स्थान है।

इस वित्तीय वर्ष में अभी तक 2,902 करोड़ रुपए व्यय हुए हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी डॉ. सुबोध अग्रवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को जल भवन में हुई जेजेएम की समीक्षा बैठक में ये आंकड़े सामने आए। बैठक में बताया गया कि मिशन के तहत अभी तक 44 लाख 49 हजार जल कनेक्शन हो चुके हैं। बैठक में डॉ. अग्रवाल ने जल कनेक्शन की गति बढ़ाने के निर्देश दिए और अधिशाषी अभियंता के स्तर पर निरंतर समीक्षा करने को कहा। उन्होंने पीएचईडी रीजन वाइज अधीक्षण अभियंताओं से प्रगति की जानकारी ली। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने विभिन्न रीजन की अलग से वीसी कर एफएचटीसी की प्रगति की समीक्षा करने एवं विशेषकर उदयपुर, बांसवाड़ा एवं डूंगरपुर जिलों में एफएचटीसी की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में जल गुणवत्ता परीक्षणों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

सोलह बीघा भूमि पर बनी तीन अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन-14 निजी खातेदारी की करीब 16 बीघा कृषि भूमि पर बस रही तीन अवैध कॉलोनियों को जेडीए ने मंगलवार को ध्वस्त कर दिया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि जोन 6 में सीकर रोड पर अनोखा गांव के पास बालाजी विहार-10 कॉलोनी में रोड सीमा-पार्किंग की भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण कर लिया गया था। उपायुक्त जोन-06 ने अवैध कब्जा-अतिक्रमण हटाने के लिए पाबंद किया था। इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने पर नियमानुसार कार्यवाही कर प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन और मजदूरों की सहायता से ध्वस्त करवाया। जोन-14 में ही डिग्गी रोड पर श्राफ फैक्ट्री के पास करीब 4 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के और बिना भू-रूपान्तरण कराए भूमि को समतल कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी।

इसे भी प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन और मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही डिग्गी रोड पर लाल फार्म के सामने करीब 6 बीघा और ग्राम डाबला खुर्द में ही करीब 6 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के और बिना भू-रूपान्तरण कराए वृन्दावन सिटी के नाम से बसी नवीन अवैध कॉलोनी को भी ध्वस्त किया गया।

'लाल डायरी' से सियासत हुई लाल

- गुढ़ा और दिलावर को किया विधानसभा की शेष अवधि के लिए निलंबित
- गुढ़ा का आरोप... मैं बड़े राज खोलना चाहता था, इसलिए बोलने नहीं दिया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को उठे 'लाल डायरी' के तूफान से प्रदेश की सियासत भी लाल होती दिखाई दी। वहीं, इधर विधानसभा में हंगामा होता रहा, उधर दिल्ली से लेकर जयपुर तक बयानबाजी का दौर शुरू हो गया। विधायकों के बीच तीखी तकरार व हाथापाई तक होती नजर आई। मंत्रिपरिषद से निष्कासित किए गए विधायक राजेन्द्र गुढ़ा ने सदन में 'लाल डायरी' लहराते हुए संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल का माइक खींचा, तो नाराज विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने मार्शल के जरिए उन्हें सदन में बाहर निकलवा दिया।

वहीं, भाजपा विधायक मदन दिलावर को हंगामे के बीच अपनी सीमा को लांघते हुए सत्ता पक्ष की तरफ जाना भारी पड़ गया।

स्पीकर जोशी ने उन्हें बार-बार चेतावनी दी, लेकिन वे नहीं माने तो दिलावर को भी मार्शल के जरिए बाहर निकालने का आदेश दे दिया गया। दिलावर को निकालने आए मार्शल और भाजपा विधायकों के बीच मारपीट होती नजर आई। वहीं सत्ता और विपक्ष के विधायक भी इस मामले में आमने-सामने हो गए।

बाद में विधानसभा में संसदीय मंत्री शांति धारीवाल के प्रस्ताव पर गुढ़ा और दिलावर को 15 वीं विधानसभा की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। इससे पहले सदन में मचे हंगामे के चलते तीन बार कार्यवाही स्थगित हुई और बाद में शाम 4:03 बजे कार्यवाही को दो अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

मंत्री धारीवाल ने कहा...

भाजपा के हाथों में खेल रहे गुढ़ा, मुझसे मारपीट की कोशिश

संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि गुढ़ा ने उनके साथ मारपीट करने की कोशिश की और अगर मार्शल वहां नहीं आते तो बड़ी घटना हो सकती थी। उन्होंने कहा कि गुढ़ा का व्यवहार बेहद शर्मनाक और असंसदीय था। भाजपा विधायक मदन दिलावर के लिए धारीवाल ने कहा कि वे उनकी ओर बढ़े थे और उन पर हमला करने की योजना बना रहे थे। संसदीय मंत्री ने कहा कि यह सही है कि गुढ़ा ने संकट काल में हमारी सरकार का साथ दिया, लेकिन अब वे ऐसी मांग कर रहे हैं, जिसे माना जाना कतई उचित नहीं है। वे अब भाजपा के हाथों में खेल रहे हैं।

दिलावर बोले...

मैं ध्यान से सुनने गया था धारीवाल के पास

इसके बाद जब कार्यवाही शुरू हुई तो संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने मणिपुर के हालात को लेकर संकल्प प्रस्ताव रखा। जब वे प्रस्ताव पढ़ रहे तो भाजपा के विधायक मदन दिलावर ने उनके पास आने की कोशिश की। सत्ता पक्ष के कुछ और विधायक मंत्री भी वहां आ गए। अध्यक्ष जोशी ने भाजपा विधायक को बाहर निकालने के लिए मार्शलों से कहा। दिलावर को बाहर निकालने आए मार्शलों और भाजपा के विधायकों में तनातनी हो गई और अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही फिर आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। दिलावर ने मीडिया को सफाई दी कि हंगामे में उन्हें कुछ सुनाई नहीं दे रहा था, इसलिए मैं धारीवाल के पास गया थे।

ऐसी हुई हंगामे की शुरुआत

गुढ़ा शून्यकाल के दौरान आसन के सामने पहुंच गए और एक लाल रंग की डायरी लहराते हुए मांग की कि उन्हें बयान देने की अनुमति दी जानी चाहिए। जोशी ने गुढ़ा के व्यवहार पर आपत्ति जताई और उनके कक्ष में मिलने के लिए कहा। इस बीच भाजपा विधायकों ने गुढ़ा के समर्थन में नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया और लाल रंग की 'प्रतीकात्मक' डायरियां लहराईं। इस मामले में संसदीय कार्य मंत्री धारीवाल बयान देने के लिए उठे तो गुढ़ा आक्रामक मुद्रा में उनकी ओर बढ़े और उनके माइक पर हाथ मार दिया। विधायक रफीक खान ने तुरंत गुढ़ा को धक्का दिया तो मंत्री रामलाल जाट और अन्य कांग्रेस विधायक भी आगे आ गए और इनके बीच धक्का-मुक्की होती दिखी। यह देख जोशी ने मार्शलों को गुढ़ा को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया और सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

मंत्रियों ने पीट कर बाहर निकाला

सदन के बाहर गुढ़ा ने कहा कि मेरी डायरी छीन ली गई। मुझ पर हमला कर मुझे नीचे गिरा दिया गया। मुझे मार्शल ने नहीं, बल्कि कांग्रेस के मंत्रियों ने मुझे मारपीट कर बाहर निकाला। डायरी का आधा हिस्सा विधानसभा में मुझसे छीन लिया गया, लेकिन इसका आधा हिस्सा अभी मेरे पास है। उन्होंने कहा कि मैं कोई भी कुर्बानी देने के लिए तैयार हूं। मैं लड़ाई लड़ूंगा, जनता के बीच जाऊंगा, लेकिन किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटूंगा। बर्खास्त मंत्री ने कहा कि यह डायरी उन्हें आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ के आवास पर आयकर विभाग के छापे के दौरान मिली थी। तब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें डायरी सुरक्षित करने के लिए राठौड़ के आवास पर जाने के लिए कहा था और उन्होंने ऐसा ही किया। गुढ़ा ने दावा किया कि धर्मेंद्र राठौड़ की लिखी गई डायरी में 'अनियमित वित्तीय लेन देन' का ब्योरा है और इसमें मुख्यमंत्री तथा उनके बेटे का नाम है। उन्होंने कहा कि वे अपनी 'लाल डायरी' टेबल करना चाहते थे। हालांकि, मीडिया के बार-बार कहने के बावजूद गुढ़ा ने अपने पास मौजूद डायरी खोलकर नहीं दिखाई।

'नहीं सहेगा राजस्थान': कुशासन व भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान

लाखों BJP कार्यकर्ता 1 अगस्त को करेंगे सचिवालय का घेराव

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान के तहत लगातार प्रदेश की गहलोत सरकार पर निशाना साध रही है। अब पार्टी की ओर से एक अगस्त को जयपुर में सचिवालय का घेराव करने की रणनीति बनाई गई है। इस घेराव में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटाने के दावे किए जा रहे हैं।

बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी और उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने मंगलवार को प्रदेश मुख्यालय में प्रेसवार्ता में बताया कि गहलोत सरकार के इन साढ़े चार सालों में केवल कुर्सी की लड़ाई चली है। प्रदेश का आमजन आज गहलोत सरकार के कुशासन से तंग है। इसी कुशासन को उखाड़ फेंकने के लिए 1 अगस्त को लाखों भाजपा कार्यकर्ता राजधानी

में आ रहे हैं। प्रदेश भर से शहर की पांचों दिशाओं से लोग इस प्रदर्शन में शामिल होंगे। अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के साढ़े चार साल में कुशासन, बदहाल कानून व्यवस्था, पेपर लीक, युवाओं से वादाखिलाफी, किसानों से कर्जमाफी के नाम पर वादाखिलाफी, महिला उत्पीड़न और असुरक्षा, दलित और आदिवासी उत्पीड़न, तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार सहित इन नौ मुद्दों को लेकर प्रदेशभर में 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान चलाया जा रहा है। एक अगस्त को सचिवालय का घेराव किया जाएगा।

लाल डायरी में सरकार के काले कारनामे

अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार के मंत्री रहे राजेन्द्र सिंह गुढ़ा विधानसभा में खड़े होकर खुद की सरकार के भ्रष्टाचार और महिला अत्याचार के खिलाफ बोलते हैं। गुढ़ा ने लाल डायरी में सरकार के काले चिट्ठे होने और भ्रष्टाचार के कारनामे छिपे होने का दावा किया है। इस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें मंत्रिमंडल से ही बर्खास्त कर दिया। विधायक भरत सिंह ने गहलोत सरकार को खान घोटाले पर लेटर हेड को उल्टा करके पत्र लिखा। लंपी वायरस के दौरान प्रदेश के सभी पीड़ित पशुपालकों को मुआवजा देने का वादा किया था, लेकिन महज 41 हजार लोगों को मुआवजा देकर इतिश्री कर ली। रीट पेपर लीक प्रकरण से पूर्व में राजीव गांधी स्टडी सर्किल के अध्यक्ष से पेपर छपवाने में घोटाला हो चुका है। उसके बाद माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डीपी जारोली ने कहा कि यदि मुझे छेड़ा गया तो बड़े लोगों के चेहरे बेनकाब कर दूंगा। इसके बाद सरकार डर गई और ईडी की जांच में जारोली पर कोई आंच नहीं आ पाई।

रणथंभौर में बाघिन एरोहेड ने दिया तीन शावकों को जन्म

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। रणथंभौर नेशनल पार्क में मंगलवार को मादा बाघिन टी-84 एरोहेड अपने 3 शावकों के साथ विचरण करते हुए नजर आई। इसको लेकर वन्य प्रेमियों में खुशी की लहर देखी गई। वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इन शावकों का वीडियो शेयर करते हुए खुशी जताई है। रणथंभौर बाघ परियोजना के उप वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक मोहित गुप्ता ने बताया कि बाघिन टी-84 ने नेशनल पार्क में तीन शावकों को जन्म दिया था। जन्म देने के बाद आज पहली बार रणथंभौर नेशनल पार्क के टाइगर रिजर्व में वन क्षेत्र में फील्ड स्टाफ द्वारा बाघिन टी-84 को शावकों के साथ विचरण करते हुए देखा गया। डीएफओ मोहित गुप्ता ने बताया कि मादा बाघिन टी-84 टी 19 की बेटी है, जिसकी उम्र लगभग 9 वर्ष के करीब है। बाघिन टी-84 ने चौथी बार शावकों को जन्म दिया है। शावकों के जन्म देने के बाद आज देखा गया। इनकी उम्र लगभग डेढ़ महीने करीब हो चुकी है।

टीम को दी बधाई

शावकों के जन्म को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खुशी जताते हुए कहा कि यह वन्यजीव संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

सलूंबर, सांभर और कपासन में खुलेंगे नए राजकीय कन्या महाविद्यालय

सवाईमाधोपुर में 173.45 करोड़ से बनेगी एलीवेटेड रोड

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेशवासियों को मंगलवार को कई सौगातें दी हैं। मुख्यमंत्री गहलोत ने सवाई माधोपुर जिले में लटिया नाले पर एलीवेटेड रोड के निर्माण के लिए 173.45 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। गहलोत के इस निर्णय से 2.71 किलोमीटर में राजबाग से गोपालजी मंदिर तक 2 लेन एलीवेटेड रोड बनेगी। इससे लोगों को आवागमन में सुगमता होगी। वहीं मुख्यमंत्री ने उदयपुर जिले के सलूंबर, जयपुर जिले के सांभर और चितौड़गढ़ जिले के कपासन में नए राजकीय कन्या महाविद्यालय खोलने की घोषणा की हैं। गहलोत ने इनके भवन निर्माण के लिए 13.50 करोड़ रुपए की वित्तीय मंजूरी दी है।

वहीं संचालन के लिए 63 नए पदों के सृजन के प्रस्ताव को स्वीकृति भी दी है। प्रत्येक महाविद्यालय में विभिन्न 21 नए पद सृजित किए जाएंगे। इन नवसृजित पदों में प्राचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षक, सहायक लेखाधिकारी-प्रथम, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, सूचना सहायक, वरिष्ठ सहायक, प्रयोगशाला सहायक, प्रयोगशाला वाहक, बुक लिफ्टर के एक-एक पद, सहायक आचार्य के 7 पद तथा कनिष्ठ सहायक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के दो-दो पद शामिल हैं।

राजकीय आवासीय विद्यालयों का होगा निर्माण

अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को निःशुल्क आवासीय शिक्षा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए राज्य में 15 स्थानों पर राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय संचालित होंगे। मुख्यमंत्री गहलोत ने आवासीय विद्यालयों के भवन निर्माण के लिए 120 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह विद्यालय अलवर के रामगढ़, भरतपुर के नगर, बाड़मेर के रमजान की गफन (चौहटन) और सेड़वा तथा अजमेर के सरवाड़ में बालिकाओं के लिए, जोधपुर, झुंझुनूं, कोटा, टोंक, बीकानेर, सीकर, भरतपुर के पहाड़ी और कामां, जोधपुर के जेतडासर (बाप), जैसलमेर के नाचना (पोकरण) में बालकों के लिए राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय बनेंगे। प्रत्येक आवासीय विद्यालय के निर्माण पर 8 करोड़ रुपए की लागत आएगी। यह आवासीय विद्यालय 100 विद्यार्थी क्षमता के होंगे और क्षमता से अधिक विद्यार्थी होने पर उन्हें डे-स्कॉलर के रूप में प्रवेश दिया जाएगा।

नर्सिंग कॉलेज में 60 पद सृजित

प्रदेश में मेडिकल शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा के लिए मुख्यमंत्री गहलोत ने राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) के अंतर्गत संचालित नर्सिंग कॉलेज में 60 नए पद सृजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस स्वीकृति से शैक्षणिक पदों में प्रिंसिपल कम प्रोफेसर, वाइस प्रिंसिपल कम प्रोफेसर का एक-एक पद, प्रोफेसर के 2, एसोसिएट प्रोफेसर के 5, असिस्टेंट प्रोफेसर के 9 और नर्सिंग ट्यूटर के 28 पद सृजित होंगे। वहीं, सहायक अनुभाग अधिकारी, हॉस्टल वार्डन, वरिष्ठ सहायक व कनिष्ठ सहायक के 2-2, निजी सहायक, सहायक लेखाधिकारी ग्रेड-2 व लाइब्रेरियन के 1-1 तथा सहायक कर्मचारी के 3 पदों का सृजन किया जाएगा।

हिलव्यू समाचार

फीचर

जयपुर, शुक्रवार, 28 जुलाई 2023

सहेली

मानसून के दौरान स्किन पर डलनेस और ऑयली फील करना कॉमन प्रॉब्लम है। इसके अलावा पिंपल्स, ईचिंग, रेडनेस और फंगल इंफेक्शंस से बचने के लिए आपको प्रॉपर केयर करनी चाहिए। इसके लिए आप क्या स्टेप्स फॉलो कर सकती हैं, यहां बता रहे हैं डिटेल में।

बारिश के मौसम में ऐसे करें स्किन केयर

ब्यूटी
शहनाज़ हुसैन
कॉस्मेटोलॉजिस्ट

बारिश के मौसम में उमस और नमी का स्किन पर सीधा असर पड़ता है। यही वजह है कि इस दौरान स्किन ड्राय और डल हो जाती है। इसीलिए स्किन पर बार-बार कील, मुंहासे होने शुरू हो जाते हैं। असल में बारिश के मौसम में उमस की वजह से त्वचा पर काफी पसीना आता है, जिससे ब्लैक हेड्स और व्हाइट हेड्स जैसी परेशानियां होने लगती हैं। इसके साथ ही खुजली, जलन, रेड पैचेज और इंफेक्शन जैसी अनेक समस्याएं भी हो सकती हैं। इनसे बचने के लिए मानसून के दौरान चेहरे की एक्स्ट्रा केयर करने की जरूरत होती है।

यूज करें स्किन टोनर

बरसात के मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है। स्किन पर इसके असर को कम करने, फ्रेशनेस और कूलनेस फील करने के लिए अच्छी गुणवत्ता का स्किन टोनर यूज करना बहुत जरूरी है। इस लिहाज से गुलाब जल को बेहतरीन स्किन टोनर माना जाता है, क्योंकि यह नेचुरली स्किन को कूलनेस प्रदान करता है, साथ ही फ्रेशनेस का भी अहसास दिलाता है। आप अपने घर के फ्रिज में गुलाब जल रख लें। दिन में जब भी स्किन पर डलनेस या ऑयली फील हो, ताजगी का अहसास पाने के लिए चेहरे को ठंडे गुलाब जल से धो सकती हैं। अगर आप बाहर जाती हैं तो गुलाब जल में गीले किए हुए टिश्यू पेपर अपने साथ ले जाएं और जब भी डलनेस का अहसास हो इस गीले टिश्यू पेपर से चेहरे को पोंछते रहिए।

करती रहें फेस वॉश

इस सीजन में चेहरे से डस्ट पार्टिकल्स साफ करने और फेस को ऑयल फ्री रखने के लिए, दिन में कम से कम दो बार फेस वॉश करना ना भूलें। इसके लिए आप नीम फेस वॉश, ग्रीन टी फेस वॉश या टी ट्री फेस वॉश का इस्तेमाल कर सकती हैं। खासकर रात को सोने से पहले फेस वॉश करना ना भूलें।

डेड सेल्स करें रिमूव

अपनी स्किन से डेड सेल्स को हटाने के लिए कॉफी पावडर, पपीता, दही, टी बैग या बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कीजिए ताकि स्किन पर नई सेल्स जेनरेट कर सकें, इससे आप यंगर फील करेंगी। इसके लिए आप शहद और चीनी मिलाकर तैयार किए गए स्क्रब का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। यह पेस्ट डेड सेल्स को हटाकर स्किन पोर्स को खोलने में मदद करती है, वहीं शहद स्किन को मॉयश्चराइज करता है और सॉफ्ट बनाता है। इस दौरान स्किन पोर्स को ऑयल और पॉल्यूटेंट्स से मुक्त रखना भी जरूरी है। इसके लिए रोज सुबह तुलसी या नीम युक्त फेस वॉश का प्रयोग कीजिए। इस दौरान त्वचा की कोमलता और ताजगी सुनिश्चित करने के लिए केवल नेचुरल एलिमेंट्स से बने ब्यूटी प्रोडक्ट्स को ही यूज करें।

स्किन रखें हाइड्रेटेड

उमस भरे मौसम में खुद को हाइड्रेट रखना सबसे जरूरी होता है ताकि त्वचा की नमी बरकरार रखी जा सके। इसके लिए इस मौसम में सुबह उठते ही सबसे पहले गुनगुने पानी में नीबू का रस डालकर जरूर पीएं, जिससे शरीर के विषैले तत्व बाहर चले जाएंगे और इससे स्किन पर कील मुंहासे निकलने की आशंका कम हो जाएगी। इसके लिए अपने आहार में फल, सब्जियां, सलाद, दही, लस्सी जैसे पदार्थों को जरूर शामिल करें। इसके साथ ही इस मौसम में चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक आदि का परहेज बेहतर होगा। इसके बजाय नारियल पानी पीना फायदेमंद होगा।

पर्सनल हाईजीन है जरूरी

इस मौसम में पर्सनल बॉडी और ड्रेसेस की क्लीनलीनेस काफी जरूरी है, क्योंकि इस दौरान पसीना कपड़ों पर चिपक जाता है, जिससे शरीर से स्मेल आनी शुरू हो जाती है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार स्नान कीजिए और जहां तक संभव हो कॉटन या लिनेन की ड्रेसेस पहनिए। इससे पसीने की बदबू बाहर निकल जाएगी और आप फंगल या बैक्टीरियल इंफेक्शन से बची रहेंगी।

मेकअप / निधि गोयल

थोड़ा-बहुत मेकअप तो आप डेली रूटीन में करती ही हैं। लेकिन किसी स्पेशल ऑकेजन के लिए आप जरूर चाहती होंगी कि आपका लुक सेलिब्रिटी जैसा नजर आए। इसके लिए आपको फॉलो करने होंगे यहां बताए जा रहे मेकअप टिप्स।

सेलिब्रिटी जैसे लुक के लिए अपनाएं ये मेकअप टिप्स

आकर्षक-सुंदर दिखने की चाह हर महिला को होती है। लेकिन कई बार किसी खास ऑकेजन पर आप ऐसा मेकअप करना चाहती हैं, जिससे आपका लुक किसी सेलिब्रिटी जैसा नजर आए। इसके लिए आप ढेरों मेकअप प्रोडक्ट्स अप्लाई भी करती हैं। लेकिन आपको इसका मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल पाता है, और आपका मेकअप लुक सिंपल-सा ही नजर आता है। वास्तव में उसकी वजह मेकअप प्रोडक्ट्स नहीं, आपका मेकअप करने का तरीका हो सकता है। जैसे या तो मेकअप में आप सही से बेस नहीं बनाती हैं या फिर आप मेकअप करने की परफेक्ट आर्ट नहीं जानती हैं। यहां हम आपको ऐसे टिप्स बता रहे हैं, जिससे आपका मेकअप लुक किसी सेलिब्रिटी से कम नजर नहीं आएगा।

यूज करें परफेक्ट कलर्स : अगर आपको किसी नाइट पार्टी में जाना है तो जरूरी है कि आप चेहरे पर इस तरह के मेकअप कलर का इस्तेमाल करें, जिससे आपका मेकअप ओवर ब्राइट नजर नहीं आए। इसके लिए अगर आप आंखों को थोड़ा अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं तो उस पर ब्लू, ग्रीन या फिर डार्क कलर का इस्तेमाल करें। साथ ही होंठों और गालों पर न्यूड कलर का इस्तेमाल करें। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि गालों पर डार्क कलर के शेड्स से बचें, इससे आपकी उम्र ज्यादा नजर आती है। इसलिए आप न्यूड शेड के ब्लशर का इस्तेमाल करें। इससे आपका लुक थोड़ा नेचुरल लगेगा।

मॉयश्चराइजर और फाउंडेशन : आपने देखा होगा कि सेलेब्स का चेहरा हमेशा दमकता हुआ नजर आता है और हमें लगता है उनके चेहरे पर कितनी शाइन है। तो ऐसा ही लुक अपने फेस पर पाने के लिए जरूरी है कि आप टिंटेड मॉयश्चराइजर में दो बूंदें ऑलिव ऑयल की मिक्स कर लें और इसे आप अपने पूरे चेहरे पर मसाज करते हुए लगा लें, आपकी स्किन भी ग्लो करने लग जाएगी। साथ ही एक अच्छे बेस के लिए फाउंडेशन से पहले प्राइमर को लगाएं। इससे मेकअप का बेस परफेक्ट तरीके से रेडी होगा।

ऐसे करें आइज मेकअप : अगर आपकी आईब्रोज लाइट हैं तो आपका मेकअप परफेक्ट लुक नहीं देगा। आपने देखा होगा कि सेलेब्स के मेकअप में उनकी आईब्रोज बहुत घनी और सुंदर लगती हैं। क्योंकि ये लाइट नहीं अच्छी लगती है। आईब्रोज को डार्क करने के लिए आईब्रोज पेंसिल का इस्तेमाल करें। इसके बाद आंखों के मेकअप को डिफरेंट बनाने के लिए अलग तरह के कलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। जैसे-ग्रे या ब्राउन आईलाइनर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी आंखें डिफरेंट नजर आएंगी, साथ ही आईलैशेज पर ब्लैक मस्कारा लगाएं, जिससे आपकी आईलैशेज भी घनी नजर आएं। आंखों को अट्रैक्टिव लुक देने के लिए ग्रे लेंसेस का इस्तेमाल कर सकती हैं।

अप्लाई करें हाइलाईटर : सेलेब्स के मेकअप किट में सबसे जरूरी प्रोडक्ट हाई लाइटर होता है। इससे चेहरे को एक्स्ट्रा ग्लो मिलने के साथ सारे फेस फीचर्स उभरे हुए नजर आते हैं। इससे आप अपनी नाक को शाइनी लुक दे सकती हैं। इससे आपका चेहरा शाइन करता हुआ नजर आएगा, आपका पूरा फेस बेहद अट्रैक्टिव नजर आएगा।

पेस्टल या न्यूड कलर्स : किसी स्पेशल ऑकेजन के लिए अगर आप अपने फेस पर सेलेब्स वाला लुक चाहती हैं तो ब्लशर और लिपस्टिक में न्यूड या फिर पेस्टल कलर का इस्तेमाल करें। पेस्टल बेज, पीच रोज, और अन्य बेसिक न्यूड शेड्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। आईशैडो, ब्लश और लिपस्टिक में इसी तरह के पेस्टल और न्यूड कलर आपको क्लासी लुक देते हैं।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

जब कैरी करें ज्वैलरी

टिप्स / मानसी

जब भी किसी पार्टी या स्पेशल ऑकेजन पर जाने के लिए आप तैयार होती हैं तो अपने लुक को अट्रैक्टिव शो करने के लिए अच्छी ड्रेस तो वियर करती ही हैं। लेकिन इसके साथ ही जो भी ज्वेलरी कैरी करें, उसका भी ध्यान रखें।

- इन दिनों रोडियम पॉलिश्ड ज्वेलरी काफी पसंद की जा रही हैं, क्योंकि इसका लुक बहुत डिफरेंट और ब्राइट नजर आता है। आप चाहे वेस्टर्न ड्रेस पहनें या फिर ट्रेडिशनल, ये ज्वेलरी सभी ड्रेसेस पर सूट करती हैं।

- अगर आप किसी ऐसे ऑकेजन में जा रही हैं, जहां आपको थोड़ा रॉयल लुक चाहिए तो डायमंड ज्वेलरी कैरी कर सकती हैं। मार्केट में डायमंड लुक ज्वेलरी की लंबी रेंज मिल जाएगी। लेकिन याद रखें जिस ड्रेस पर गोल्डन वर्क किया हो, उन पर ऐसी ज्वेलरी सूट नहीं करती है।
- एंटीक लुक में आजकल टेंपल ज्वेलरी का चलन जोरों पर है। इस ज्वेलरी की खासियत यह है कि इनका लुक हैवी नजर आता है। ये सिल्क की साड़ी पर बहुत अट्रैक्टिव नजर आती हैं।
- हर ऑकेजन पर हैवी गोल्डेन या डायमंड ज्वेलरी सूट नहीं करती हैं। जैसे किटी पार्टी या फिर किसी सहेली की बर्थडे पार्टी में आप कुछ लाइट कैरी करना चाहेंगी। ऐसे में अगर बात की जाए बीड्स एसेसरीज की तो मोतियों की माला सबसे अच्छी लगती है।
- अगर किसी कैजुअल ऑकेजन में आपका मन कुछ लाइट एसेसरीज पहनने का है तो आप सिल्वर ज्वेलरी भी कैरी कर सकती हैं, क्योंकि आजकल सिल्वर ज्वेलरी में भी एक से बढ़कर एक डिजाइन मिल रहे हैं। जिन ड्रेसेस में सिल्वर वर्क हो, उनके साथ आप सिल्वर ज्वेलरी कैरी कर सकती हैं।

सजेशन / अनु आर.

बारिश के मौसम में घर से बाहर निकलते समय सबसे पहले छतरी की याद आती है। लेकिन कोई भी कमजोर या लो क्वालिटी की छतरी लेकर चलने से आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए यह जान लें कि आपकी छतरी कैसी होनी चाहिए?

स्टाइलिश ही नहीं कंफर्टेबल भी हो अंब्रेला

इन दिनों पूरे देश में मानसून सक्रिय है। अभी आगे एक-डेढ़ महीने तक बारिश होती रहेगी। इसलिए आपके पास एक अच्छी छतरी होनी ही चाहिए। हालांकि कुछ वर्ष पहले तक लोग कोई भी ऐसी छतरी यूज करते थे, जो बारिश से बचाए। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब बड़ी संख्या में महिलाएं वर्किंग हैं, उन्हें मानसून के दौरान भी हर दिन घर से बाहर निकलना पड़ता है। ऐसे में बारिश में भीगने से बचाने के साथ ही मजबूत और स्टाइलिश छतरी ही महिलाएं पसंद करती हैं। इसलिए हम आपको यहां बता रहे हैं कि छतरी खरीदने के पहले आपको किन बातों पर ध्यान देना चाहिए।

जो भीगने से पूरी तरह बचाए : छतरी का पहला काम हमें भीगने से बचाना ही होता है, बाकी सब बाद की बातें हैं। इसलिए जब भी छतरी खरीदें तो आपकी प्रायोरिटी ऐसी छतरी खरीदने की होनी चाहिए, जो आपको भीगने से बचाए यानी एक बार आप जब छतरी के नीचे आ जाएं तो आपको पूरा कवरेज मिले। ऐसा ना हो कि छतरी भी लगाई हो और सिर के अलावा बाकी सब भीग रहा हो। ऐसी छतरियों को बबल छतरी कहते हैं, ये पूरी तरह से आपको भीगने से सुरक्षित रखती हैं। ये तेज हवाओं के दौरान पहले की छतरियों की तरह उलट नहीं जातीं। इनकी लंबाई 94 सेंटीमीटर तक होती है, जो काफी अच्छी है। ये ट्रांसपेरेंट होती हैं यानी इनसे बाहर का नजारा भी दिखता है।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 6 से 7 हजार रुपए तक में ऐसी छतरी आपको मिल जाएंगी।

डिजाइन हो सही : जब आप छतरी की लंबाई, चौड़ाई, साइज, स्टाइल और फीचर पर गौर कर रही हैं तो आपको इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि छतरी का डिजाइन कैसा है? यह बेहद मजबूत होनी चाहिए और यह नुकीले कोनों वाली ना हो। नुकीले कोनों वाली छतरियों से कई तरह की दुर्घटनाएं हो सकती हैं। जब हम किसी भीड़ भरे बाजार से गुजरते हैं तो खुद को बारिश से बचाने के साथ ही यह भी चिंता बनी रहती है कि हमारी छतरी से किसी को चोट ना लग जाए, इसलिए छतरी ऐसी होनी चाहिए जो नुकीले कोनों वाली ना हो। एयरो डायनमिक डिजाइन वाली छतरी सही होती है। छतरी ऐसी भी ना हो, जो जरा सी तेज हवा चलने पर पलटने लगे। उसकी कैनोपी का साइज परफेक्ट होना चाहिए। अच्छी क्वालिटी की छतरी लेनी इसलिए जरूरी है ताकि उसके सारे बटन सही से काम करें। आमतौर पर सस्ती छतरियों की समस्या यह होती है कि उनके बटन शुरू से ही अच्छी तरह से काम नहीं करते। यह कॉम्पैक्ट साइज की छतरी ऑनलाइन स्टोर्स पर 8 से 9 हजार रुपए तक में मिलेगी।

वेट हल्का हो : वैसे तो अब ज्यादातर छतरियों का वजन कम ही होता है लेकिन अगर छतरी में इस्तेमाल हुआ फैब्रिक क्वालिटी वाला ना हुआ तो यह हल्का फैब्रिक आपको बारिश से पूरी तरह से नहीं बचा पाएगा। पुश बटन ओपनिंग वाली छतरियां आज की लाइफस्टाइल को देखते हुए ज्यादा फ्रेंडली होती हैं। लेकिन ये पुश बटन आमतौर पर जल्दी खराब हो जाते हैं। इसलिए अच्छी क्वालिटी की छतरी लें, जिसके पुश बटन अच्छे हों। इसके साथ ही सिंगल के बजाय डबल फोल्ड की छतरी ज्यादा कंफर्टेबल होती है। इसे आराम से दोबारा फोल्ड करके बैग में रखा जा सकता है। यह भी ध्यान रखें कि लोहे या स्टील हैंडल वाली छतरी के बजाय ऐसी छतरी लें, जिनमें रबर हैंडल लगा हो यानी हैंडल के ऊपर रबर लगा हो। इससे ग्रिप मजबूत रहती है। ऑनलाइन स्टोर्स पर ऐसी छतरियों की कीमत 8 से 10 हजार रुपए के बीच में होती है। इसके अलावा बहुत बड़ी साइज की छतरी ना लें। ऐसी बड़ी छतरी को संभालना मुश्किल होता है। आपकी छतरी दिखने में भी आकर्षक लगनी चाहिए, इसलिए उसका कलर और उस पर प्रिंटिंग बढ़िया होनी चाहिए। डार्क के बजाय लाइट कलर्ड छतरियां ज्यादा अच्छी लगती हैं।

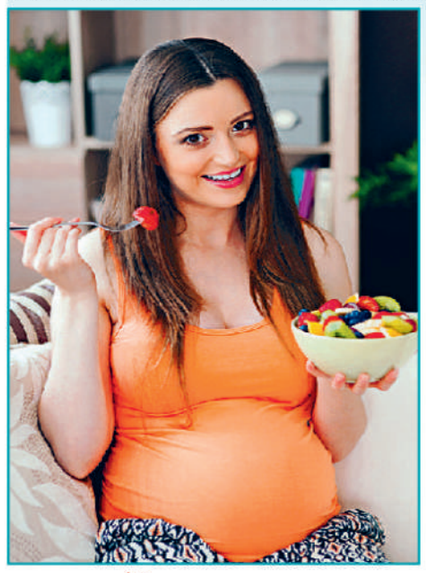

मेडिकल एडवाइस
डॉ. मणि कपूर, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दिल्ली

आमतौर पर माना जाता है कि प्रेग्नेंसी के दौरान महिला जितना अधिक पौष्टिक भोजन करेगी, वो और उसकी होने वाली संतान हेल्दी होगी। लेकिन बिना सोचे-समझे या डॉक्टर से बगैर कंसल्ट किए हैवी डाइट या फूड सप्लीमेंट्स लेना सही नहीं है। इस बारे में जरूरी सावधानियों के बारे में जानिए।

प्रेग्नेंसी में फूड सप्लीमेंट्स क्या-कब-कितना है ज़रूरी

गर्भावस्था यानी प्रेग्नेंसी के दौरान खुद को हेल्दी और फिट रखने के लिए कई बातों का ध्यान रखना पड़ता है। डेली हेल्दी और बैलेंस डाइट का सेवन भी उसमें शामिल है। गर्भस्थ शिशु के समुचित फिजिकल-मेंटल डेवलपमेंट के लिए फोलिक एसिड, आयरन, कैल्शियम, विटामिन डी, ओमेगा 3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व नॉर्मल रूटीन से अधिक लेने जरूरी होते हैं। हालांकि ये पोषक तत्व रोजाना खाई जाने वाली डाइट से मिल सकते हैं, लेकिन कई बार सही डाइट ना लेने से शरीर में इनकी कमी हो जाती है। इस कमी को पूरा करने के लिए डॉक्टर के परामर्श पर प्रेग्नेंसी पीरियड में पोषक तत्वों के सप्लीमेंट्स लेना जरूरी होता है। मौटे तौर पर प्रेग्नेंसी को तीन हिस्सों में बांटा जाता है, जिसमें अलग-अलग सप्लीमेंट्स लेने जरूरी होते हैं।

पहली तिमाही

इस पीरियड में गर्भ के अंदर शिशु का विकास बहुत तेजी से हो रहा होता है। ऐसे में किसी दवाई या आर्टिफिशियल सप्लीमेंट का इस्तेमाल करना जच्चा-बच्चा दोनों के लिए खतरनाक हो सकता है। एक स्वस्थ महिला को इस दौरान सिर्फ फोलिक एसिड सप्लीमेंट लेने (रोजाना 5 मिग्रा) की ही जरूरत होती है। यह विटामिन बच्चे के मस्तिष्क-विकास में मदद करता है। बच्चे का वजन कम होने, न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट यानी सिर या रीढ़ की हड्डी में होने वाली बीमारियों या विकारों से बचाने में भी यह सहायक होता है। यह बच्चे को बर्थ-डिफेक्ट होने से बचाता है। साथ ही फोलिक एसिड के सेवन से गर्भवती महिला में ब्लड प्रेशर होने, प्लेसेंटा एब्रप्शन या समय से पहले गर्भाशय से प्लेसेंटा के अलग होने पर गर्भपात या प्री-टर्म डिलीवरी होने के खतरे की संभावना कम हो जाती है।

दूसरी-तीसरी तिमाही

आयरन-कैल्शियम: दूसरी तिमाही की शुरुआत में या प्रेग्नेंसी के लगभग 16 सप्ताह के बाद महिलाओं को आयरन और कैल्शियम के सप्लीमेंट्स दिए जाते हैं। जो डिलीवरी के बाद कम से कम 2 महीने तक चलते हैं, ताकि डिलीवरी के दौरान महिलाओं में होने वाले ब्लड लॉस की आपूर्ति हो सके। इस दौरान महिलाओं में अकसर हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है, जिसकी आपूर्ति के लिए आयरन सप्लीमेंट्स लेने जरूरी हैं। आयरन हमारी रक्त में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करती है, जच्चा-बच्चा को एनीमिया से बचाता है। साथ ही ब्लड में ऑक्सीजन की मात्रा में बढ़ोतरी करती है, जिससे गर्भस्थ शिशु तक ब्लड सप्लाई आसानी से

हो पाती है। कैल्शियम जच्चा-बच्चा की हड्डियों और दांतों की मजबूती और विकास में सहायक होता है। गर्भस्थ शिशु कैल्शियम की आपूर्ति मां के रक्त से आसानी से कर लेता है। गर्भवती महिलाएं अगर इस दौरान कैल्शियम सप्लीमेंट्स नहीं लेतीं तो भविष्य में उनकी हड्डियां कमजोर पड़ने और जोड़ों में दर्द की संभावना हो सकती है। लेकिन ये सप्लीमेंट लेते समय महिलाओं को ध्यान रखना चाहिए कि आयरन और कैल्शियम की दवाई का सेवन एक साथ नहीं करना है। क्योंकि एक साथ खाने पर ये सप्लीमेंट्स एब्जॉर्ब करने में दिक्कत आती है। इससे बचने के लिए बेहतर है कि आप आयरन, ब्रेकफास्ट या लंच के बाद लें और कैल्शियम सप्लीमेंट डिनर के बाद लें। आयरन को एब्जॉर्ब करने के लिए महिलाओं को सिट्रस फ्रूट्स या विटामिन सी सप्लीमेंट लेना जरूरी है।

अगर प्रेग्नेंट महिला थैलेसीमिया या सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित है तो उन्हें आयरन सप्लीमेंट तब तक नहीं दिया जाना चाहिए, जब तक कि ब्लड टेस्ट करने पर उनके शरीर में ब्लड-प्रूवन आयरन डेफिशिएंसी नहीं निकल जाती। क्योंकि उनके शरीर में पहले ही आयरन काफी मात्रा में होता है, आयरन टेस्ट कराए बिना आयरन सप्लीमेंट देना नुकसानदायक हो सकता है।

प्रोटीन: शाकाहारी महिलाओं के शरीर में अकसर प्रोटीन की कमी रहती है, ऐसी प्रेग्नेंट महिलाओं के सप्लीमेंट्स में प्रोटीन भी शामिल करना पड़ता है। ऐसी महिलाएं प्रोटीन पावडर, प्रोटीन बिस्कुट या कैप्स्यूल भी ले सकती हैं। लेकिन इन्हें लेते समय अपने बॉडी मास इंडेक्स का ध्यान रखना जरूरी है जैसे अधिक वजन वाली महिलाएं कैप्स्यूल या बिस्कुट ले सकती हैं, जबकि दुबली महिलाएं प्रोटीन पावडर भी ले सकती हैं। डेली डाइट में नॉनवेज या अंडे भी शामिल कर सकती हैं।

विटामिन डी: तकरीबन 60 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं में विटामिन डी की कमी पाई जाती है। यह विटामिन शरीर में कैल्शियम को एब्जॉर्ब करने और जच्चा-बच्चा दोनों की हड्डियों और दांतों की मजबूती में सहायक होता है। इसलिए दूसरी और तीसरी तिमाही में महिलाओं को डॉक्टर से कंसल्ट कर विटामिन डी सप्लीमेंट्स लेना जरूरी है। लेकिन फैट सोल्यूबल विटामिन होने के कारण जरूरत से ज्यादा विटामिन डी सप्लीमेंट्स लेने से हाइपर विटामिनोसिस-डी भी हो सकता है। इसलिए उन्हें शरीर में विटामिन डी लेवल चेक कराना जरूरी है। साथ ही सुबह-शाम की गुनगुनी धूप में तकरीबन 20-25 मिनट बैठना चाहिए।

इसका भी रखें ध्यान

अपनी मर्जी से या दूसरों की हिदायत पर मल्टीविटामिन सप्लीमेंट्स नहीं लेने चाहिए। गर्भावस्था में कोई भी सप्लीमेंट जब तक बहुत जरूरी ना हो नही लेने चाहिए। क्योंकि इस दौरान हार्मोनल बदलावों की वजह से अगर महिलाएं किसी तरह के सप्लीमेंट्स लेती हैं, तो उनमें कुछ समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसलिए डॉक्टर से परामर्श करने के बाद ही सप्लीमेंट्स लेने चाहिए।

प्रस्तुति : रजनी अरोड़ा

हिलव्यू समाचार

देश-विदेश

जयपुर, शुक्रवार, 28 जुलाई 2023

इसरो का मिशन: 30 को लांच होगा 6 उपग्रहों के साथ 'पीएसएलवी-सी56'

सेटेलाइट से मिलेगी पलपल की जानकारी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने नए मिशन से एक बार फिर अंतरिक्ष में अपना दबदबा बनाने जा रहा है। बता दे, भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी 30 जुलाई को छह सह-यात्री उपग्रहों के साथ पीएसएलवी-सी56 मिशन लॉन्च करेगी। पीएसएलवी-सी56 को सी55 के समान इसके कोर-अलोन मोड में कॉन्फिगर किया गया है।

एजेंसी ▶▶ बेंगलोर

चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो अब नया मिशन लॉन्च करने वाला है। इस संबंध में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने 24 जुलाई 2023 को घोषणा की। इसरो ने बताया कि सिंगापुर के डीएस-एसएआर उपग्रह को ले जाने वाले पीएसएलवी-सी56 का प्रक्षेपण 30 जुलाई 2023 को किया जाएगा। इसरो ने यह भी बताया कि पीएसएलवी-सी56 को छह सह-यात्री उपग्रहों के साथ सुबह 06:30 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा के पहले लॉन्च पैड से लॉन्च किया जाएगा।

अंतरिक्ष में एक बार फिर अपना दबदबा बनाने जा रहा भारत

जांच एजेंसियों- मौसम-कनेक्टिविटी के लिए बनेंगे मददगार

सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 06:30 बजे किया जाएगा लॉच

ऐसा कर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने नए मिशन से एक बार फिर अंतरिक्ष में अपना दबदबा बनाने जा रहा है। बता दें, भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी 30 जुलाई को छह सह-यात्री उपग्रहों के साथ पीएसएलवी-सी56 मिशन लॉन्च करेगी। पीएसएलवी-सी56 को सी55 के समान इसके कोर-अलोन मोड में कॉन्फिगर किया गया है। यह 360 किलोग्राम वजन के डीएस-एसएआर सैटेलाइट को 5 डिग्री झुकाव और 535 किलोमीटर की ऊंचाई पर निकट-भूमध्यरेखीय कक्षा (एनईओ) में लॉन्च करेगा।

डीएस-एसएआर उपग्रह

डीएस-एसएआर को सिंगापुर की डिफेंस साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजेंसी (डीएसटीए) और एसटी इंजीनियरिंग के बीच साझेदारी के तहत विकसित किया गया है। इसका उपयोग सिंगापुर सरकार के भीतर विभिन्न एजेंसियों की सैटेलाइट इमेजरी आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए किया जाएगा।

इसरो ने किया ट्वीट

डीएस-एसएआर उपग्रह की विशेष खासियत है। इसमें इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज द्वारा तैयार किए गए सिंथेटिक अपर्चर रडार पेलोड का प्रयोग किया है, जिससे यह दिन-रात, हर मौसम में कवरेज कवरेज दे सकेगा।

इसरो के 6 सह-यात्री उपग्रह

1. **वीईएलओएक्स-एएम**
यह एक तकनीक प्रदर्शन माइक्रोसैटेलाइट है।

2. **एससीओओबी - II**
यह एक प्रायोगिक उपग्रह है।

3. **3यू नैनो सैटेलाइट**
यह शहरी और दूरदराज के स्थानों की जानकारी देगा।

4. **एलओटी**
यह शहरी और दूरस्थ दोनों स्थानों में निर्बाध कनेक्टिविटी को मजबूती देगा।

5. **जीएएलएसएसआईए-2**
यह पृथ्वी की निचली कक्षा में परिक्रमा करेगा।

6. **ओआरबी-12 एसटीआरआईएनडीईआर**
इसका विकास अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए विकसित किया गया।

एक नज़र

कनाडा में भारतीय छात्र की कार लुटेरों के हमले में मौत

टोरंटो। कनाडा में फूड डिलीवरी पार्टनर के तौर पर काम करने वाले एक 24 वर्षीय भारतीय छात्र की कारजैकिंग के दौरान जानलेवा

हमले के बाद हत्या कर दी गई है। गुरविंदर नाथ 9 जुलाई को मिसिसॉगा के ब्रिटानिया और क्रेडिटव्यू सड़कों पर लगभग 2:10 बजे पिज्जा डिलीवरी कर रहे थे, जब अज्ञात संदिग्धों ने उनपर हमला किया और उनका वाहन चुराने की कोशिश की। पुलिस के होमिसाईड ब्यूरो के इंस्पेक्टर फिल किंग ने कहा कि जांचकर्ताओं का मानना है कि इस घटना में कई संदिग्ध शामिल हैं।

सूडान में टेकऑफ करते समय क्रैश हुआ प्लेन

नई दिल्ली। अफ्रीकी देश सूडान में रविवार देर रात बड़ा प्लेन हादसा हुआ। इस दुर्घटना में 4 सैनिकों सहित 9 लोगों की मौत हो गई।

हादसे की वजह तकनीकी खराबी को बताया जा रहा है। इस भीषण दुर्घटना में भी एक बच्ची बच गई है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। अरब न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक सिविल एयरक्राफ्ट सूडान के पोर्ट सूडान एयरपोर्ट से उड़ान भर रहा था। अचानक उसमें तकनीकी खराबी आ गई और प्लेन टेकऑफ करते समय ही क्रैश हो गया।

इजराइल में ज्यूडिशियरी से जुड़ा बिल पास

तेल अवीव। इजराइल के बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने सोमवार को सियासी तौर पर एक बड़ी जीत हासिल की। इजराइली संसद ने

ज्यूडिशियल ओवरहॉल से जुड़े एक अहम बिल को पास कर दिया। 'टाइम्स ऑफ इजराइल' के मुताबिक- इस बिल के पास होने के बाद देश की कोई भी अदालत मोटे तौर पर सरकार या किसी मिनिस्टर द्वारा दिए गए ऑर्डर पर रोक नहीं लगा सकेगी। इससे जुड़ी दो बातें शुरुआत में जान लेना जरूरी है। पहली- ज्यूडिशियल ओवरहॉल एक लंबा प्रोसेस हैं और इसमें कई बिल पास होने हैं।

हैदराबाद पुलिस का बड़ा खुलासा, आतंकी संगठन हिजबुल्लाह वॉलेट के साथ भी मिला कनेक्शन

15 हजार लोगों से ठगे 712 करोड़ चाइनीज फ्रॉड का हुआ भंडाफोड़

पुलिस ने मामले में अहमदाबाद से भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो चाइनीज ऑपरेटर्स से जुड़ा हुआ था। आरोपी चीनी ऑपरेटर्स को भारतीय बैंक अकाउंट्स की डिटेल्स और ओटीपी भेजता था।

लोगों को रिव्यू करने के बहाने कमाई का लालच देकर करता था ठगी

मामले में अभी तक देशभर से 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया

- रकम दुबई के रास्ते चीन भेजता था ठग गिरोह
- ठग गिरोह चाइनीज हैंडलर्स के इशारे पर करते थे काम

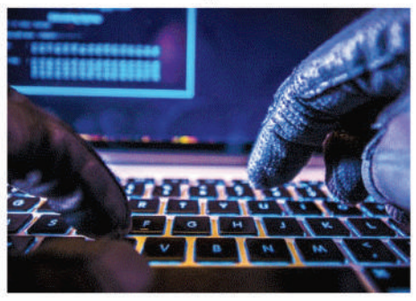

लालच देकर बनाते थे ठगी का शिकार

हैदराबाद पुलिस के मुताबिक, लोगों को रिव्यू करने के बहाने कमाई का लालच देकर ठगा जाता था। मामले में देशभर से 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से 4 लोगों को हैदराबाद से, 3 लोगों को मुंबई और 2 लोगों को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया है। ये सभी चाइनीज हैंडलर्स के इशारे पर काम करते थे। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर सीवी आनंद ने को बताया हम इस बारे में केंद्रीय एजेंसियों को सचेत कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय की साइबर क्राइम यूनिट को सारी डिटेल दे दी गई है। पुलिस इस मामले में 6 और आरोपियों की तलाश कर रही है। अकाउंट घोटाले में शामिल तीन अन्य लोगों के निर्देश पर खोले गए थे।

साइबर क्राइम पुलिस ने दर्ज किया मामला

साइबर क्राइम पुलिस ने हैदराबाद के एक व्यक्ति की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। इसकी जांच के दौरान ही पूरा मामला सामने आया। उस व्यक्ति को टेलीग्राम पर रिव्यू करने की पार्ट टाइम जॉब ऑफर हुई थी। उसने भरोसा कर एक वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कर लिया। शुरुआत में उससे हजार रुपये इन्वेस्ट कराए गए। साथ ही चीजों को रेटिंग देने का आसान काम दिया गया। इस काम में उसे 800 रुपये का फायदा हुआ। इसके बाद व्यक्ति ने 25 हजार रुपये इन्वेस्ट किए। इसमें 20 हजार रुपये का फायदा हुआ। हालांकि, उसे ये रुपये निकालने की परमिशन नहीं मिली।

कमाई का लालच देकर कराते थे इंवेस्ट

बाद में ज्यादा कमाई का लालच देकर उससे और ज्यादा रुपये इन्वेस्ट कराए गए, लेकिन ये रुपये वापस नहीं मिले। इस तरह व्यक्ति के साथ 28 लाख रुपये की ठगी हो गई। ये गैंग इसी तरह लोगों से ठगी किया करता था। ठगी के लिए लोगों को आसान काम करने को कहा जाता था। मसलन यूट्यूब वीडियो लाइक करना या गूगल पर रिव्यू लिखना। जांच में पुलिस को पता चला कि ये 28 लाख रुपये 6 बैंक अकाउंट्स में ट्रांसफर किए गए थे। यहां से ये रकम अलग-अलग भारतीय बैंक अकाउंट्स में ट्रांसफर हुई और फिर दुबई भेजी गई।

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

हैदराबाद पुलिस ने चीनी हैंडलर्स से जुड़े एक बड़े फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ किया है। इसमें एक साल से भी कम समय में 15,000 भारतीयों से 700 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई। हैदराबाद पुलिस ने कहा कि रकम दुबई के रास्ते चीन भेजा गया था। पुलिस के मुताबिक, फ्रॉड से जुड़े कुछ क्रिप्टो वॉलेट ट्रांजैक्शन्स का लेबनान स्थित आतंकी संगठन हिजबुल्लाह वॉलेट के साथ भी लिंक मिला है। ये वॉलेट टेरर फाइनेंस मॉड्यूल से जुड़ा हुआ है।

पैसा कई खातों से ट्रांसफर, फिर क्रिप्टोकरेंसी में बदलते थे पैसे

पैसा कई खातों के माध्यम से ट्रांसफर किया गया और क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया गया। इसके बाद इसे दुबई के रास्ते चीन भेजा गया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा जो अकाउंट भारत में भारतीय सिम कार्ड का इस्तेमाल कर खोले गए थे। उन्हें बाद में दुबई में रिमोट से ऑपरेट किया गया। जालसाज चीनी ऑपरेटरों के संपर्क में थे।

कंपनी किसी के नाम की, नंबर किसी और का

ऐसा ही एक अकाउंट हैदराबाद स्थित राधिका मार्केटिंग कंपनी के नाम पर था और मुनव्वर नाम के एक व्यक्ति के नाम पर रजिस्टर्ड फोन नंबर से जुड़ा था, जो शहर का ही रहने वाला है। मुनव्वर तीन सहयोगियों- अरुल दास, शाह सुमैर और समीर खान के साथ लखनऊ गए थे। उन्होंने 33 शेल कंपनियों के 65 अकाउंट खोले।

चीनी मास्टरमाइंड करते थे 65 अकाउंट को ऑपरेट

65 अकाउंट का इस्तेमाल चीनी मास्टरमाइंड - केविन जून, ली लू लैंगझोउ और शाशा द्वारा किया गया। इसके जरिए 128 करोड़ रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर की गई। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुंबई से भी तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास दुबई स्थित कम से कम छह लोगों के बारे में जानकारी है।

डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ की रिपोर्ट में खुलासा

वैश्विक टीकाकरण में सुधार 40 लाख से अधिक बच्चों को मिली नियमित खुराक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोरोना महामारी के दौरान वैश्विक टीकाकरण सेवाओं में आई गिरावट के बाद एक बार फिर उसमें सुधार देखने को मिला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की नई रिपोर्ट में बताया गया है कि महामारी की वजह से 2020 के दौरान दुनियाभर में करीब 2.3 करोड़ बच्चे नियमित टीकाकरण से वंचित रह गए थे।

2021 की तुलना में 2022 के दौरान 40 लाख अधिक बच्चों को टीके लगे हैं। 2022 में वैश्विक स्तर पर बाल टीकाकरण में सुधार के बावजूद वह अब भी महामारी से पहले की तुलना में कम है। 2019 में टीकाकरण से वंचित रह गए बच्चों संख्या 1.84 करोड़ थी। कुछ ऐसी ही स्थिति उन बच्चों की है, जिन्हें अब तक एक भी वैक्सीन नहीं दी गई है। आंकड़ों के अनुसार, शून्य खुराक वाले बच्चों की संख्या जहां 2019 में 1.29 करोड़ थी, वह महामारी के दौरान बढ़कर 1.81 करोड़ पर पहुंच गई। इसके बाद यह आंकड़ा 2022 में घटकर 1.43 करोड़ पर पहुंच गया था। इसके बावजूद यह 2019 की तुलना में कहीं ज्यादा है। वहीं, दुनियाभर में अभी भी 2.05 करोड़ बच्चे डिप्थीरिया, टिटनेस और काली खांसी से बचाव के लिए लगाए जाने वाले डीपीटी-1 की एक या उससे अधिक खुराक लेने से वंचित हैं। 2021 में यह आंकड़ा 2.45 करोड़ था। डीपीटी वैक्सीन को आमतौर पर टीकाकरण कवरेज के वैश्विक संकेतक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

भारत की स्थिति में भी सुधार

भारत की बात करें तो जहां इस दौरान 20.75 लाख बच्चे बीसीजी की खुराक से वंचित रह गए थे, वहीं, डीटीपी-1 के मामले में यह आंकड़ा 11.3 लाख दर्ज किया गया। इसी तरह 2022 के दौरान 15.8 लाख बच्चे डीटीपी-3, हेपेटाइटिस बी-3 की खुराक से 15.7 लाख बच्चे, पीसीवी-3 की खुराक से 76.6 लाख बच्चे वंचित रह गए।

पूरी कहानी नहीं कहते आंकड़े

सुधार के आंकड़े उत्साहजनक हैं। हालांकि, वैश्विक और क्षेत्रीय औसत पूरी कहानी बयां नहीं करते। दोनों में अभी काफी अंतर है और वो गंभीर और लगातार चली आ रही असमानताओं को ढक देते हैं।

-डॉक्टर टेड्रॉस अदनॉम गैब्रेयसस, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक

हार्वर्ड लॉ स्कूल और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट में दावा

अब अमेरिका के मीट बाजार से फैल सकती है वैश्विक महामारी

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

चीन के वुहान के बाद अब अमेरिका के मीट बाजार से कोविड-19 से भी घातक वैश्विक महामारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। हार्वर्ड वैज्ञानिकों ने एक रिपोर्ट में यह दावा किया है कि इन्सान, जानवरों और जंगली जानवर के आपसी संपर्क के कारण इसका खतरा बढ़ेगा। हार्वर्ड लॉ स्कूल और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी रिपोर्ट में कहा गया कि कई अमेरिकी अकसर सोचते हैं कि उनके देश में ऐसा नहीं हो सकता है, लेकिन इस देश में नियम इतने कमजोर हैं कि कोई एक वायरस या दूसरी कोई

संक्रामक बीमारी आसानी से अमेरिका में जानवरों से लोगों तक पहुंच सकती है। यही बीमारी महामारी में तब्दील हो सकती है। रिपोर्ट तैयार करने वाली टीम के सदस्य एन लिंडर ने कहा कि वास्तव में सुरक्षा की यह झूठी भावना और निराधार विश्वास है कि जेनेटिक रोग कुछ ऐसा है।

तेजी से बढ़ेगा संक्रमण

हार्वर्ड लॉ स्कूल और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट में कई बिंदुओं पर भी बात की गई है। जिसमें जानवरों का आयात-निर्यात भी शामिल है। इस दौरान लाखों जानवर एक-दूसरे और उनके संचालकों के संपर्क में आते हैं। एन लिंडर ने कहा कि हर साल अमेरिका में पालतू जानवरों और बाकी दूसरे उद्देश्यों के लिए करीब 22 करोड़ जीवित जंगली जानवरों का आयात किया जाता है।

जान बचाने भाग रहे पर्यटक

ग्रीस के कई जंगलों में लगी भीषण आग

ग्रीस। ग्रीस में भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसकी वजह से जंगलों में आग लग गई। आग ने इतना भीषण रूप ले लिया है कि तमाम रिहायशी इलाके भी चपेट में आ गए हैं। हजारों लोग रोड्स द्वीप छोड़कर चले

गए हैं। वहीं, पर्यटक आग से बचने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं। दरअसल, इन दिनों ग्रीस में अधिक संख्या में पर्यटक घूमने आते हैं। ऐसे में जंगल में लगी आग लोगों के लिए मुसीबत बन रही है। रोड्स से जैसे-तैसे पर्यटक निकलकर घर जाने के लिए संघर्ष कर रहे थे कि इस बीच एक और जगह आग लग गई।

ड्रैगन का हुआ बुरा हाल

महामारी के बाद चीन की अर्थव्यवस्था पड़ी सुस्त

बीजिंग। कोरोना महामारी के बाद से लगातार चीन की अर्थव्यवस्था में सुस्ती दिख रही है। ड्रैगन के खुदरा बिक्री और निर्यात में भारी गिरावट आई है। चीन के औ द्यो गि क उत्पादन की वृद्धि दर मई

के 3.5 फीसदी से बढ़कर जून में 4.4 फीसदी हो गई, लेकिन मांग धीमी है। इस वर्ष जून में चीन का निर्यात बीते तीन वर्षों में सबसे कम था। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रजून में चीन की खुदरा बिक्री मई में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि से गिरकर 3.1 प्रतिशत हो गई है।

कंबोडिया में 84 फीसदी मतदान

सत्तारूढ़ पार्टी ने किया चुनाव में जीत का दावा

नोम पेन्ह। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन की कंबोडियन पीपुल्स पार्टी ने राष्ट्रीय चुनावों में भारी जीत दर्ज करने का दावा किया। आलोचकों ने

कंबोडिया के चुनावों को दशकों में सबसे कम स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान बताया। विपक्ष के अभाव में हो रहे ये चुनाव देश में लोकतंत्र का मजाक बनाने की तरह है। रविवार को चुनाव समाप्त होने के कुछ ही घंटों बाद, सीपीपी के प्रवक्ता सोक एयसन ने कहा कि हमने शानदार जीत हासिल की है, लेकिन अभी तक जीती सीटों पर कोई स्पष्ट आंकड़े सामने नहीं आए हैं।

गर्ल्स स्टूडेंट के अश्लील वीडियोज मिले

खुलासाः पाक के विवि में प्रोफेसर बेच रहे थे ड्रग्स

एजेंसी ▶▶ लाहौर

पाकिस्तान की इस्लामिया यूनिवर्सिटी ऑफ बहावलपुर में ड्रग्स और ब्लैकमेलिंग के केस का खुलासा हुआ है। स्टूडेंट्स को प्रोफेसर्स का एक गिरोह ही ड्रग्स बेच रहा था। कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। इनके फोन्स से गर्ल्स स्टूडेंट्स के वीडियोज मिले हैं। आरोप है कि इन वीडियोज के जरिए लड़कियों को ब्लैकमेल किया जा रहा था। इस केस को दबाने की तमाम कोशिशें कीं, लेकिन एक मीडिया रिपोर्ट के जरिए स्कैंडल सामने आ ही गया। सिक्योरिटी ऑफिसर को बर्खास्त के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

गर्ल्स स्टूडेंट, टीचर्स से रेप, चल रही जांच

आईयूबी में ड्रग्स रैकेट पर कई दिनों से जानकारी मिल रही थी। जांच में पाया कि यूनिवर्सिटी के कुछ प्रोफेसर्स ही इस रैकेट को चला रहे थे। प्रोफेसर से हेरोइन बरामद भी हुई। पुलिस मामले की जांच जून से कर रही थी, हालांकि सबूत न मिलने की वजह से आरोपियों के खिलाफ एक्शन लेना मुमकिन नहीं था।

3 वर्ष से दोनों के बीच सोशल मीडिया पर चल रही थी दोस्ती प्यार में बदली

पाकिस्तानी प्रेमी से मिलने सीमा पार पहुंची भारत की अंजू

वीजा की अवधि पूरी होने पर 20 अगस्त को स्वदेश लौटेगी

अपने प्रेमी से मिलने पाकिस्तान पहुंची भारतीय महिला अंजू वीजा की अवधि पूरी होने पर 20 अगस्त को स्वदेश लौट जाएगी। यह जानकारी अंजू के पाकिस्तानी मित्र नसरुल्ला ने सोमवार को दी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान की महिला सीमा हैदर के भारत आने पर मचा बवाल अभी खत्म हुआ नहीं, के अब एक और मामला सामने आया है। इस बार भारतीय महिला अपने पाक प्रेमी से मिलने के लिए पाक पहुंच गई है। राजस्थान निवासी महिला अंजू को पाक के व्यक्ति नसरुल्ला से फेसबुक पर दोस्ती होने के बाद प्यार हुआ और वह शादीशुदा है। उसके दो बच्चे भी हैं। अपने पाकिस्तानी प्रेमी से मिलने पाक के दूरदराज के गांव पहुंची भारतीय महिला अंजू वीजा की अवधि पूरी होने पर 20 अगस्त को स्वदेश लौट जाएगी। यह जानकारी अंजू के पाकिस्तानी मित्र नसरुल्ला ने सोमवार को दी जिससे मिलने वह यहां आई हुई है। नसरुल्ला ने इसके साथ ही अंजू से प्रेम संबंध होने की दावों को भी खारिज कर दिया। नसरुल्ला (29) ने कहा कि उसकी 34 वर्षीय भारतीय महिला अंजू से शादी करने का कोई इरादा नहीं है।

खास बातें

- राजस्थान के अलवर में रहती विवाहित अंजू, दो बच्चे भी हैं
- दस्तावेजों की जांच के आधार पर मिली क्लीनचिट
- अंजू ने अपना लिया था ईसाई धर्म

राजस्थान में रहती हैं यूपी में जन्मी अंजू

अंजू का जन्म उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव में हुआ था और वह राजस्थान के अलवर में रहती थी। नसरुल्ला और अंजू की दोस्ती 2019 में फेसबुक के माध्यम से हुई थी। पेशावर से करीब 300 किलोमीटर दूर कुल्शो गांव से फोन पर बातचीत में नसरुल्ला ने कहा अंजू पाकिस्तान आई हुई है और हमारी शादी करने की कोई योजना नहीं है।

वैध वीजा पर पाकिस्तान गई है अंजू

अंजू वैध वीजा पर पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा सूबे के कबायली जिले ऊपरी दीर में नसरुल्ला से मिलने आई है। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग को भेजे गए आधिकारिक दस्तावेज के मुताबिक कार्यालय सूचित करता है कि उसने अंजू को केवल ऊपरी दीर जिले के लिए 30 दिनों का वीजा मंजूर करने का फैसला किया है। नसरुल्ला शेरिंगल स्थित यूनिवर्सिटी से साइंस में ग्रेजुएट है और पांच भाइयों में सबसे छोटा है।

जिले से बाहर नहीं जाएगी अंजू

हलफनामे में कहा कि दोस्ती में प्यार का कोई एंगल नहीं है और अंजू 20 अगस्त को भारत लौट जाएगी। वह ऊपरी दीर जिले से भी बाहर नहीं जाएगी।

हिलव्यू समाचार

विविध

जयपुर, शुक्रवार, 28 जुलाई 2023

ख़ास ख़बर

स्वेच्छा से विवाह करने वाले युगलों की सुरक्षा व सहायता के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर । प्रदेश में स्वेच्छा से विवाह करने वाले बालिग महिला एवं पुरूषों की सहायता एवं सुरक्षा के लिए राज्य स्तर पर उपमहानिरीक्षक पुलिस आर्म्ड बटालियन श्रीमती श्वेता धनखड़ को नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध श्रीमती वनीता शर्मा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशों की पालना में इस संबंध में 22 मार्च 2023 को राज्यस्तर एवं जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये। राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी उपमहानिरीक्षक श्रीमती श्वेता धनखड़ से मोबाइल नम्बर 9413179228 एवं सहायक नोडल अधिकारी श्रीमती वनीता शर्मा से मोबाइल नम्बर 9414709514 से सम्पर्क किया जा सकता है। इसी प्रकार जिला स्तर पर नियुक्त नोडल अधिकारियों से भी उनके मोबाइल नम्बर से सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों में अजमेर जिले में छवि शर्मा उप अ0 पु0 से मोबाइल नम्बर 7599933000, भीलवाडा जिले में श्री राहुल जोशी उप अ0 पु0 से मोबाइल नम्बर 9784542904, नागौर जिले में श्री ताराचन्द अति0 पु0 अ0 8440877000, टोंक जिले में श्रीमती नरेष कंवर उप नि0 से मोबाइल नम्बर 9166434044, जयपुर पूर्व जिले में श्रीमती ममता मीणा पु0नि0 से मोबाइल नम्बर 9414841374, जयपुर पष्चिम जिले में सरोज मीणा पु0नि0 महिला थाना से मोबाइल नम्बर 8949451840, जयपुर उत्तर जिले में श्री मनोज शर्मा आरपीएस से मोबाइल नम्बर 9829078087, जयपुर दक्षिण जिले में श्रीमती ममता शार्दूल पुलिस निरीक्षक से मोबाइल नम्बर 8107310811,जयपुर ग्रामीण जिले में श्रीमती लक्ष्मी उप निरीक्षक से मोबाइल नम्बर 946154417 से सम्पर्क किया जा सकता है।

इसी प्रकार अलवर जिले में सरिता सिंह अति0 पु0नि0 से मोबाइल नम्बर 9928951114, भिवाडी जिले में श्रीमती रजनी कुमारी उ0नि0 महिला थाना से मोबाइल नम्बर 8290038714, दौसा जिले में श्रीमती गीता चौधरी उप निरीक्षक से मोबाइल नम्बर 9784856668, सीकर जिले में श्रीमती सुनिता सैनी उ0नि0 से मोबाइल नम्बर 9636433625, झुन्झुनू जिले में श्रीमती नेहा अग्रवाल से मोबाइल नम्बर 9782359494, बीकानेर जिले में श्रीमती सुषीला उ0 नि0 से मोबाइल नम्बर 7062321994, हनुमानगढ जिले में श्रीमती ललिता उ0नि0 से मोबाइल नम्बर 8005653360, गंगानगर जिले में श्रीमती राजेष पु0नि0 महिला थाना से मोबाइल नम्बर 9414537612, चुरू जिले में श्री जयसिंह तंवर अति0 पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 9829824476, भरतपुर जिले में श्रीमति नरगिस खॉन उपनिरीक्षक से मोबाइल नम्बर 9785583492, सवाईमाधोपुर जिले में श्री राजवीर सिंह अति0पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 9414013600, धौलपुर जिले में सुरेष सांखला आरपीएस से मोबाइल नम्बर 9828745995 व 9530411600 से सम्पर्क किया जा सकता है।

इसी प्रकार करौली जिले में श्री सुरेश जैफ अति0 पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 9413602306, जोधपुर पूर्व जिले में श्रीमती मंजू से मोबाइल नम्बर 9414721202, जोधपुर पश्चिम जिले में श्रीमती प्रेम धणदे अति0पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 6350057219, जोधपुर ग्रामीण जिले में श्री कैलाशदान अति0पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 9461838111, जैसलमेर जिले में श्रीमती मिनाक्षी मालवीय उप नि0 से मोबाइल नम्बर 9001888638, बाडमेर जिले में श्री राजीव कुमार परिहार आरपीएस से मोबाइल नम्बर 9414250875, पाली जिले में श्री भोमाराम अति0 पु0 अ0 से मोबाइल नम्बर 9414084222, सिरोही जिले में श्री दिनेश कुमार उप अ0पु0 से मोबाइल नम्बर 9649534677, जालौर जिले में श्री अवधेश सांधु पु0नि0 महिला थाना से मोबाइल नम्बर 7014727485 व 7568981818, कोटा शहर जिले में श्रीमती उमा शर्मा अति0 पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 9414202511, कोटा ग्रामीण जिले में श्रीमती यशोराज मीणा, पु0नि0 से मोबाइल नम्बर 9887185968 से सम्पर्क किया जा सकता है।

इसी प्रकार बूंदी जिले में श्री किशोरी लाल अति0पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 9694482025, बांरा जिले में श्री अखिलेश त्रिपाठी पु0नि0 से मोबाइल नम्बर 9929305675, झालावाड जिले में श्रीमती कृष्णा चन्द्रावत उप0नि0 से मोबाइल नम्बर 9413101241, उदयपुर जिले में श्री महेन्द्र पारीक अति0पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 7737205348, डूंगरपुर जिले में श्री निरंजन चारण अति0 पु0अ0 व श्री प्रकाश कानि0 520 से मोबाइल नम्बर 9414296644 व 7568809133, बांसवाडा जिले में श्री राजीव जोशी अति0पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 9414163639, राजसमन्द जिले में श्री शिव लाल बैरवा अति0पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 9672496137, चितौड़गढ़ जिले में शाहना ख़ानम अति0पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 7728079758, प्रतापगढ जिले में श्री भागचन्द्र मीणाअति0पु0अ0 से मोबाइल नम्बर 9413352353, जीआरपी अजमेर जिले में श्री ख़ान मोहम्मद पु0नि0 से मोबाइल नम्बर 9414201920 तथा जीआरपी जोधपुर जिले में श्री महेश श्रीमाली नि0पु0 से मोबाइल नम्बर 9929292822 से सम्पर्क किया जा सकता है।

राज्यपाल ने वेतन, पेंशन से जुड़े सेवा नियमों में संशोधन के गहलोत सरकार के विभिन्न प्रस्तावों को दी मंजूरी

25 साल नौकरी करने वाले कार्मिकों को मिलेगी पूरी पेंशन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव को देखते हुए अशोक गहलोत सरकार हर वर्ग को खुश करने में जुटी है। इसी कड़ी में गहलोत सरकार ने पिछले दिनों 25 साल का सेवाकाल पूरा करने वाले कर्मचारियों को पूरी पेंशन का लाभ देने का निर्णय लिया था, जिस पर सोमवार को राज्यपाल कलराज मिश्र ने मुहर लगा दी है। जिसके बाद अब सरकारी कर्मचारियों को 25 साल नौकरी करने पर पूरी पेंशन का लाभ मिल सकेगा। अब तक 28 साल के सेवा कार्य के बाद यह लाभ दिया जाता था। गौरतलब है कि राज्यपाल ने सोमवार को राज्य के कार्मिकों और अधिकारियों के वेतन, पेंशन से जुड़े कई सेवा नियमों के संशोधन प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की। मिश्र ने राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1996 में संशोधन को स्वीकृति दी। वहीं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को पीजी डिग्री या समकक्ष डिप्लोमा पर अग्रिम वेतन बढ़ोतरी का पूरा लाभ देने और राजस्थान सिविल सेवा (पुनरिक्षित वेतन) नियम में संशोधन के साथ ही कार्य प्रभारित कार्मिकों को नियमित कार्मिकों के समान वेतनमान की मंजूरी भी प्रदान की।

एक जनवरी और एक जुलाई से दो वेतन वृद्धि

राज्यपाल ने विभागों के पदों के पे-लेवल में संशोधन किए जाने की अधिसूचना को भी स्वीकृति दी है। इससे अब कार्मिक की पदोन्नति/एसीपी पर, पदोन्ति पद के पे-लेवल में समान सैल होने पर आगामी सैल में वेतन नियतन हो सकेगा। इससे उसके वेतन में वृद्धि होगी और वर्तमान में एक ही वेतन बढ़ोतरी की तिथि के स्थान पर भविष्य में दो वेतन वृद्धियों के साथ 1 जनवरी और 1 जुलाई से किए जाने के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया है। इससे कार्मिकों को प्रथम वेतन छह माह में मिल सकेगा और राजस्थान सिविल सेवा नियम 2017 में इन संशोधनों से विभिन्न सेवाओं के पदनाम सेवा नियमों के अनुरूप हो जाएंगे। इसके लिए राज्यपाल ने कर्मचारियों और अधिकारियों को वर्तमान में देय विशेष भत्ते एवं विशेष वेतन में 'वेतन विसंगति परीक्षण समिति' की अभिशंषा के अनुरूप वृद्धि संबंधित राजस्थान सिविल सेवा नियम 2017 की अनुसूची 111 में संशोधन प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

पारिवारिक पेंशनर को 10 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भत्ता

मिश्र ने राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1996 के तहत 75 वर्ष के पेंशनर या उसके पारिवारिक पेंशनर को 10 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भत्ता देने, कार्मिक या पेंशनर की मृत्यु की हो जाने पर उसके विवाहित निशक्त पुत्र या पुत्री और 12 हजार 500 रुपए प्रतिमाह तक की आय वाले पात्र सदस्यों को भी पारिवारिक पेंशन का लाभ देने वाले संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। वहीं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को पीजी डिग्री या समकक्ष डिप्लोमा पर अग्रिम वेतन बढ़ोतरी का पूरा लाभ मिलेगा। इसके लिए राज्यपाल ने वित्त विभाग द्वारा राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम 2017 की अनुसूची 5 में संशोधन किए जाने संबंधित अधिसूचना संशोधन का अनुमोदन किया है।

500 रुपए में गैस सिलेंडर की सब्सिडी की सौगात

गहलोत लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर करेंगे ₹155 करोड़

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के लाभार्थी संवाद कार्यक्रम के दूसरे चरण में गुरुवार को 36 लाख से अधिक लाभार्थियों को 155 करोड़ रुपए से अधिक राशि ट्रांसफर करेंगे।

सीएमआर में दोपहर 12 बजे आयोजित लाभार्थी संवाद कार्यक्रम से उपभोक्ताओं के जनआधार से लिंक बैंक खातों में यह राशि प्रत्यक्ष हस्तांतरण के माध्यम से पहुंचेगी। इसमें अप्रैल माह के डीबीटी के लाभ से शेष रहे 1.72 लाख उपभोक्ताओं को 7.32 करोड़ रुपए के साथ ही मई माह के 16.71 लाख उपभोक्ताओं को 70.86 करोड़ और जून माह के 18.33 लाख उपभोक्ताओं को 77.73 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। इस प्रकार कुल 36.76 लाख उपभोक्ताओं को 155.92 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। यह लाभार्थी संवाद के कार्यक्रम सभी जिलों में होगा।

इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के पंजीकृत उपभोक्ताओं को लाभ हस्तांतरण का यह दूसरा चरण है। इससे पहले 5 जून को सीएम ने लगभग 14 लाख पंजीकृत उपभोक्ताओं के खातों में करीब 60 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए थे। गौरतलब है कि सीएम ने 76 लाख उपभोक्ताओं को मात्र 500 रुपए में गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराने की घोषणा की थी।

राज्यपाल से मिला भाजपा का प्रतिनिधिमंडल

कोटा विकास प्राधिकरण विधेयक 2023 पर रोक लगाने की मांग

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। कोटा विकास प्राधिकरण विधेयक 2023 पर रोक लगाने की मांग को लेकर बूंदी भाजपा के मीडिया प्रभारी एंव प्रवक्ता अनिल जैन और किसान नेता गिर्राज गौतम के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को जयपुर में राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। भाजपा जिला प्रवक्ता अनिल जैन तालेड़ा ने कहा कि विधानसभा में 24 जुलाई को सरकार की ओर से एक विधेयक पास किया गया है। जिसमें बूंदी जिले के 63 गांव जिसमें तालेड़ा तहसील के 48 गांव एवं केशोरायपाटन तहसील के 15 गांव को बिना जनमत जाने कोटा विकास प्राधिकरण में शामिल किया गया है। इस विधेयक का पूरे बूंदी जिले में विरोध है। भू-माफिया अपनी चांदी काटने के लिए केडीए को बूंदी की तरफ बढ़ा रहे हैं। ज्ञापन सौंपने के दौरान राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि इस बिल को पुनर्विचार के लिए सरकार के पास भिजवाया जाएगा।

मुहाना थानाधिकारी सहित 3 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुहाना थाने में पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले में थानाधिकारी सहित 3 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर किया गया है। वहीं, मामले की न्यायिक जांच जारी हैं। डीसीपी साउथ योगेश गोयल ने बताया कि मामले में मुहाना थानाधिकारी दिलीप सिंह, एसआई विजय सिंह और उस दौरान संतरी ड्यूटी पर रहे कांस्टेबल मनोज पूनियां को लाइन हाजिर किया गया है। एसआई विजय सिंह ने आत्महत्या करने वाले ललित बैरवा को गिरफ्तार किया था। वहीं, मृतक का सोमवार को मेडिकल बोर्ड से मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। तब परिजनों ने मुआवजे की मांग की। जिस पर प्रशासन ने नियमानुसार योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया।

गौरतलब है कि रविवार को हवालात में बने शौचालय में नकबजनी के मामले में गिरफ्तार आरोपी ललित बैरवा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

मानसरोवर में अधिमास में हनुमंत कथा

तुलसी के पौधे को लेकर मंगल गान करते हुए निकलीं महिलाएं

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मानसरोवर के शिप्रा पथ पर स्थित सामुदायिक भवन में पांच दिवसीय हनुमंत कथा का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर मुखर्जी पार्क शिव मंदिर से तुलसीजी की यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों महिलाएं एक ही गणवेश में शामिल हुई। महिलाएं तुलसी के पौधे को लेकर मंगल गान करते हुए नाचते गाते चल रही थी। रास्ते में जगह जगह यात्रा का समाजसेवी संस्थाओं और श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। कथा आयोजक पुष्पेंद्र भारद्वाज ने पत्नी कल्पना भारद्वाज के साथ व्यास पीठ पर पूजा अर्चना की।

कथावाचक आचार्य दिनेश कुमार शास्त्री ने भक्तों को हनुमंत कथा का रसास्वादन करवाया। हनुमंत कथा का आयोजन जनकल्याण के लिए भक्तों के सहयोग से किया जा रहा है। भारद्वाज ने बताया कि इस अवसर पर मानसरोवर ब्लॉक अध्यक्ष कविता सैनी, सांगानेर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष इंदु शर्मा, पार्षद हेमा सिंघानिया, भावना पटेल, पूजा शर्मा, भारती अरोड़ा, तरुणा भोजवानी, प्रियंका खंडेलवाल, सपना परनामी, रेणु गुप्ता, रेखा गौड़, नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी, पार्षद शंकर बाजडोलिया, यशपाल भाटिया, करण सिंह, मोहन मिश्रा, जनेश्वर सिंह चौहान, अंकुश विजय आदि शामिल हुए।

सीएम की प्रदेशवासियों को सौगात

इंग्लिश मीडियम में कन्वर्ट होंगे 246 सरकारी स्कूल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। ऐसे अभिभावक जो मोटी फीस के कारण अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल में नहीं पढ़ा पाते हैं, उनके लिए खुश खबरी है। गहलोत सरकार अब प्रदेश के 246 सरकारी स्कूलों को इंग्लिश मीडियम में कन्वर्ट करने जा रही है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजकीय विद्यालयों को महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में रूपांतरित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। गौरतलब है कि राजस्थान के हर जिले में महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल खुल गए हैं।

वहीं अब मुख्यमंत्री के इस निर्णय से राज्य में शिक्षा के स्तर को और बढ़ावा मिलेगा और विद्यार्थी का स्थानीय स्तर पर ही इंग्लिश मीडियम स्कूल्स में पढ़ने का सपना साकार हो सकेगा।

इसके तहत अजमेर में 13, अलवर 20, बारां 7, बाड़मेर 6, भरतपुर 10, बीकानेर 8, चित्तौड़गढ़ 3, दौसा 12, धौलपुर 8, डूंगरपुर 5, गंगानगर 7, हनुमानगढ़ 11, जयपुर 32, झुंझुनूं 12, जोधपुर 20, करौली 5, नागौर 18, राजसमंद 8, सवाई माधोपुर 13, सीकर 8, टोंक 12, उदयपुर 7 और जालौर के 1 सरकारी स्कूल को इंग्लिश मीडियम में कन्वर्ट किया जाएगा। इन विद्यालयों में 57 प्राथमिक, 125 उच्च प्राथमिक और 64 उच्च माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं।

नए उपखंड व तहसील कार्यालय खुलने से बढ़ेगी सहूलियत

सीएम गहलोत ने प्रशासन की आमजन तक पहुंच आसान बनाने के लिए 3 उपखंड, 7 तहसील और 20 उप तहसील कार्यालयों के गठन को मंजूरी दी है। जोधपुर के बापिणी, जयपुर के किशनगढ़-रेनवाल और रामपुरा डाबड़ी में नए उपखंड कार्यालय खोले जाएंगे। इनमें उपखंड अधिकारी, नायब तहसीलदार के सहित कुल 36 पदों का सृजन होगा। इसके साथ ही विभिन्न जिलों की 6 उप तहसीलों को तहसीलों में क्रमोन्नत और 1 नए तहसील का गठन किया जा रहा है। इनमें दौसा के कुण्डल, धौलपुर के बसई व नवाब, डूंगरपुर के ओबरी, जोधपुर के चामूं, कोटा के चेचट और उदयपुर के फलासियां उप तहसील को तहसील में क्रमोन्नत किया जाएगा। उदयपुर के घासा में नए तहसील कार्यालय भी खोला जाएगा। इनके लिए तहसीलदार सहित कुल 139 पदों का सृजन होगा। वहीं 20 नए उप तहसीलों को मंजूरी दी गई है। इनके लिए 120 विभिन्न पद स्वीकृत किए हैं।

सिंचाई सुविधा होगी विकसित

सिंचाई सुविधा विकसित करने के लिए सीएम गहलोत ने एनीकट और नहरों के निर्माण एवं विकास कार्यों के लिए 33.03 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को स्वीकृति दी है, साथ ही भरतपुर शहर में रीको रोड पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के लिए 73.34 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

खुलेंगे अतिरिक्त संकाय

सीएम ने 47 विद्यालयों में अतिरिक्त संकाय खोलने की स्वीकृति दी है। इनमें 39 विद्यालयों में विज्ञान संकाय, 3 में वाणिज्य और 5 में कला संकाय एवं व्याख्याता के 143, प्रयोगशाला सहायक के 39 पद सृजित होंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।

संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)